दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 20, अंक: 302 ■ दमण, सोमवार 25 अगस्त 2025, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता से प्रदेश के सामाजिक एवं राजनीतिक अग्रणियों ने की शुभेच्छा मुलाकात

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 24 अगस्त। केन्द्रशासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता केन्द्रशासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के तीन दिवसीय दौरे पर आये थे। लद्दाख के उपराज्यपाल ने कविंदर गुप्ता ने अपने इस दौरे में प्रदेश के तीनों जिलों में शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यटन स्थलों सहित का भ्रमण कर यहां हुए अद्भुत विकास को नजदीक से देखा। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में हुए अद्वितीय विकास पर प्रसन्नता जताई और इस प्रदेश में हुए अद्भुत विकास का श्रेय पीएम मोदी और प्रशासक प्रफुल पटेल को दिया। तीन दिवसीय दौरे पर आये उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता से प्रदेश के विभिन्न अग्रणियों ने शुभेच्छा मुलाकात की थी। इस दौरान सामाजिक एवं राजनीतिक अग्रणियों ने लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता का अभिवादन भी किया था।

संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में

दमण शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष पियूष पटेल ने शहर भाजपा कमेटी की घोषणा की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में आज दमण शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष पियूष पटेल ने दमण शहर भाजपा कमेटी की घोषणा की। जिसमें रश्मी हलपति, सुजीत उपाध्याय एवं अतुल त्रिपाठी को उपाध्यक्ष, अमीर मोरे एवं राजन टंडेल को महामंत्री, जहान्वी राजाध्यक्ष, मयंक जयेंद्र पटेल एवं सचिन सुधाकर वाणी को सचिव, वेचन मिश्रा को कोषाध्यक्ष, नीरज पांडेय को सोशल मीडिया और राहुल जैन को आईटी सेल नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर मुख्य रुप से उपस्थित प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष फाल्गुनी पटेल, दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, दमण शहर भाजपा अध्यक्ष पियूष पटेल, डीएमसी प्रेसिडेंट अस्पी दमणिया, सिंपल काटेला, काउंसिलर चंद्रगिरी टंडेल ने दमण शहर भाजपा मंडल के सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं एवं बधाईयां दी।

दमण जिला भाजपा के नवनियुक्त महामंत्री गणेश भंडारी का कचीगाम में हुआ स्वागत

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 अगस्त। दमण जिला भाजपा कमेटी में गणेश भंडारी को महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दमण जिला भाजपा के नवनियुक्त महामंत्री गणेश भंडारी का कचीगाम में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कचीगाम ग्राम पंचायत सदस्य हितेश भंडारी, दिनेश भंडारी, केतन भंडारी, जितेशभाई सहित बडी संख्या में युवाओं ने नवनियुक्त दमण जिला भाजपा महामंत्री गणेश भंडारी का पुष्पगुच्छ देकर गर्मजोशी से स्वागत किया।

संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में

सिलवासा शहर जिला भाजपा अध्यक्ष शांतू पुजारी की अध्यक्षता में सिलवासा शहर जिला कमेटी के पदाधिकारियों का हुआ चयन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 24 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा प्रदेश प्रभारी दुष्यंत पटेल के मार्गदर्शन और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में सिलवासा शहर जिला भाजपा कमेटी की घोषणा की गई। सिलवासा शहर जिला भाजपा अध्यक्ष शांतू पुजारी की अध्यक्षता में अटल भवन पर आयोजित कार्यक्रम में सिलवासा शहर जिला भाजपा के पदाधिकारियों का चयन किया गया। इस अवसर पर हितेश जमशु पटेल, सुनील रावसाहेब महाजन, विक्रमादित्य आर.आई. यादव एवं कविता अब्बल सिंह को उपाध्यक्ष, संदीप सिद्धनाथ तिवारी एवं प्रतीक वसंत पटेल को महामंत्री, सोमनाथ पाटिल, मयूर अनिल रोहनकर, तृप्ति गुरुनाथ दलवी, शुभा प्रदीप, बैजयंती नवलकिशोर पांडे एवं सीमा वासुदेव व्यास को सचिव, महेश नरसी भानुशाली को कोषाध्यक्ष, प्रकाशसिंह दशरथसिंह चावडा को सोशल मीडिया संयोजक तथा गणेश रोहित को आईटी सेल संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अवसर पर मुख्य रुप से उपस्थित प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी और उनका मार्गदर्शन भी किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा महामंत्री सुनील पाटिल, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष धर्मेशसिंह चौहाण, जीतू माढ़ा एवं भारती हलपति, प्रदेश सचिव द्वारिकानाथ पांडे और दादरा नगर हवेली जिला पंचायत की पूर्व प्रमुख निशा भावर सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में

दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमने की अध्यक्षता में जिला भाजपा कमेटी की हुई घोषणा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 24 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के मार्गदर्शन में आज दीव जिला भाजपा अध्यक्ष मोहन लकमने की अध्यक्षता में जिला भाजपा कमेटी की घोषणा की गई। दीव जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वैशाली मिलन बामणिया, धीरजलाल सोमा, पांजरी दिनेश कानजी, कानजी हरजी बामणिया एवं संदीप पी. जादव को उपाध्यक्ष, विपुल सोलंकी एवं जगदीश नथु को महामंत्री, भारती शामजी चुडासमा, करशन रामा, हर्षिदा रामजी, अनुराधा प्रेमजी एवं विपुल कुमार गोकल सोलंकी को सचिव, ऋषि योगानंद को कोषाध्यक्ष, कौशिक धनजी को सोशल मीडिया कन्वीनर एवं मोहन कानजी बामणिया को आईटी सेल संयोजक नियुक्त किया गया है। इस दौरान दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमने एवं प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों ने सभी नवनियुक्त जिला कमेटी के सदस्यों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारियों एवं चुने हुए जनप्रतिनिधियों तथा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

ऑनलाइन गेमिंग घोटाले में कांग्रेस विधायक को बेंगलुरु लाई ईडी

बेंगलुरु (एजेंसी)। सिक्किम में ऑनलाइन गेमिंग घोटाले में मुख्य आरोपी के तौर पर सामने आए कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी को लेकर ईडी बेंगलुरु ले आई है। पप्पी पर ईडी ने शनिवार को अवैध धन हस्तांतरण और अवैध संपत्ति से जुड़े आरोपों के चलते गिरफ्तार किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीरेंद्र पप्पी को रविवार सुबह सिक्किम से विशेष विमान से बेंगलुरु लाया गया। जैसे ही पप्पी विमान से एयरपोर्ट पर उतरे पहले से तैनात ईडी की विशेष टीम ने उन्हें अपनी हिरासत में ले लिया। एयरपोर्ट पर कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। ईडी के अधिकारियों ने पप्पी को गुपचुप तरीके से अपनी गाड़ी में बैठाया और सीधे बेंगलुरु रवाना हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक वीरेंद्र पप्पी से पूछताछ के दौरान ईडी को ऑनलाइन गेमिंग घोटाले की कई अहम कड़ियों का खुलासा होने की संभावना है। यह घोटाला कई राज्यों तक फैला है और करोड़ों रुपए की हेराफेरी का मामला इसमें दर्ज है। ईडी के मुताबिक बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने 22 और 23 अगस्त को चित्रदुर्ग जिले के विधायक केसी वीरेंद्र और उनके सहयोगियों के खिलाफ अवैध ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजी के मामले में देशभर में 31 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया था। जांच में पता चला कि केसी वीरेंद्र अपने सहयोगियों के साथ गंगटोक में एक लैंड कैसीनो लीज पर लेने के लिए बागडोगरा के रास्ते व्यापारिक दौरे पर गया था। तलाशी के दौरान जब्त सामग्री से नकदी और अन्य फंड्स की जटिल लेयरिंग का संकेत मिला।

तहसीन सैयद ने रेखा गुप्ता पर हमले को लेकर किए चौंकाने वाले खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमला करने से पहले आरोपी राजेश खिमजी सकारिया ने अपने दोस्त को योजना के बारे में जानकारी दी थी। गुजरात के राजकोट निवासी आरोपी के दोस्त तहसीन सैयद उर्फ बापू ने पुलिस पूछताछ में इस बात को कबूल किया है। इसके अलावा राजेश को पैसे भेजने की बात भी कबूल की। जांच से जुड़े पुलिस अधिकारी ने बताया कि तहसीन से दिल्ली पुलिस, आईबी एवं स्पेशल सेल ने पूछताछ की। तहसीन ने बताया कि वह राजेश को दस साल से जानता था। इसके अलावा राजेश के हिंसक और अजीब रवैये से भी परिचित था। राजेश ने तहसीन को फोन कर दिल्ली जाने की योजना बताई। इसके साथ ही पांच हजार रुपये उधार के तौर पर मांगे, लेकिन तहसीन ने सिर्फ दो हजार रुपये दिए। इसके बाद राजेश ने बताया कि वह दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से कुत्तों के बारे में मिलने जा रहा है। इसके साथ ही उसने कहा कि अगर बात नहीं बनी तो वह हमला भी कर देगा। पुलिस ने तहसीन से इस जानकारी को स्थानीय पुलिस से साझा नहीं करने का कारण भी पूछा। जांच से जुड़े सूत्र ने बताया कि तहसीन ने राजेश की बात को मजाक में लेकर छोड़ दिया। हालांकि पुलिस तहसीन की बात से सहमत नहीं है इसलिए उसके फोन की भी जांच कर रही है। वहीं, आरोपी राजेश पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वह फिलहाल पांच दिन की पुलिस हिरासत में है। पुलिस टीम नये तथ्यों के आधार पर राजेश से पूछताछ भी कर रही हैं लेकिन कोई महत्वपूर्ण एवं नई जानकारी सामने नहीं आई है। जांच अधिकारी ने बताया कि तहसीन को रविवार को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

फिर बादल फटने के संकेत! जम्मू-कश्मीर में अगले 48 घंटे बेहद भारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जेकेयूटीडीएमए) ने चेतावनी जारी की है कि अगले 48 घंटों में जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। विशेष रूप से अनंतनाग, कुलगाम, डोडा, जम्मू, कठुआ, किश्तवाड़, पूंछ, राजौरी, रामबन, रीसी, सांबा और उधमपुर जिलों में तेज बारिश का अनुमान है। जम्मू डिवीजन में अधिकारियों ने क्लाउडबर्स्ट, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन की आशंका जताई है। इस संबंध में नागरिकों से सतर्क रहने और सुरक्षित रहने की अपील की गई है। आपातकालीन स्थिति में लोग 112 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। अधिकारियों ने विशेष रूप से नदी के किनारे रहने वाले और पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यात्रियों को भी असुरक्षित क्षेत्रों से बचने और मौसम की ताजा जानकारी लेते रहने का निर्देश दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सालों से चली आ रही कानूनी खामी दूर कर लाखों लोगों को दी बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में एक बड़ी कानूनी खामी को दूर करते हुए उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि उपभोक्ता फोरम अपने सभी आदेशों को लागू कर सकते हैं, न कि केवल अंतरिम आदेशों को। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने फैसला सुनाया कि 2002 के संशोधन में ड्राफ्ट की खामियों के चलते उपभोक्ता फोरम द्वारा पारित अंतरिम आदेशों को लागू करने में एक अंतर पैदा हो गया था। लेकिन अब कानूनी व्याख्या के सिद्धांतों को उपयोग करते हुए शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि 15 मार्च, 2003 और 20 जुलाई, 2020 के बीच पारित सभी आदेश एक सिविल कोर्ट की डिक्री की तरह ही लागू किए जा सकेंगे।

जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने यह फैसला सुनाते हुए कहा कि 2002 में उपभोक्ता संरक्षण कानून में किए गए संशोधन ने उपभोक्ता फोरम की ताकत को गलत तरीके से सीमित कर दिया था। दरअसल, उस संशोधन में 'हर आदेश' शब्द की जगह 'अंतरिम आदेश' लिख दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि यह बदलाव उपभोक्ताओं के लिए भारी नुकसानदेह साबित हुआ और 2019 में संसद की तरफ से सुधार किए जाने तक यह स्थिति बनी रही। अदालत ने साफ किया कि 1986 के कानून की धारा 25 को इस तरह पढ़ा जाना चाहिए कि उपभोक्ता फोरम किसी भी आदेश को लागू करा सके। सुप्रीम कोर्ट बेंच ने कहा, न्याय पाने वाले उपभोक्ता को यह महसूस होना चाहिए कि उसे वास्तव में न्याय मिला है, केवल कागजों पर नहीं।

भारत ने यूं ही नहीं रोकी अमेरिका को डाक पार्सल सेवा, कई देश पहले ही रोक चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत, फ्रांस, ब्रिटेन और कई यूरोपीय देश भी अमेरिका को डाक सेवाएं अस्थायी रूप से रोक चुके हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि अमेरिका के लिए दुनियाभर के देश धड़ाधड़ डाक सेवाएं क्यों रोक रहे हैं? भारत सहित दुनिया के अन्य देशों द्वारा अमेरिका को डाक सेवाएं रोकने के पीछे की वजह है टैरिफ। नए टैरिफ 29 अगस्त 2025 लागू होंगे। भारत ने सोमवार से अमेरिका के लिए अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाएं रोकने की घोषणा है। भारतीय डाक विभाग ने कहा है कि केवल पत्र, दस्तावेज़ और 100 डॉलर से कम मूल्य के उपहार ही अमेरिका भेजे जा सकेंगे।

अमेरिका द्वारा बनाए गए नए नियमों के अनुसार, 15 प्रतिशत तक टैरिफ वाले देशों के पार्सल पर 80 डॉलर अतिरिक्त शुल्क। 16 प्रतिशत से 25 प्रतिशत टैरिफ वाले देशों के पार्सल पर 160 डॉलर अतिरिक्त शुल्क। 25 प्रतिशत से ज्यादा टैरिफ वाले देशों के पार्सल पर 200 डॉलर अतिरिक्त शुल्क। इसका मतलब है कि भारत से गए एक 30 डॉलर (लगभग 2,620) रुपये के पार्सल पर 17500 रुपये टैरिफ के रूप में चुकाना पड़ सकता है, क्योंकि

भारत पर अमेरिका ने 25 फीसदी से ज्यादा टैरिफ लगाया है। डाक पार्सल पर भारी-भरकम टैरिफ भारतीय निर्यातकों, खासकर छोटे व्यापारियों और ई-कॉमर्स विक्रेताओं के लिए को बहुत बुरी तरह प्रभावित करेंगे। वे सस्ते और हल्के पार्सलों के जरिए अमेरिकी बाजार तक पहुंच बनाते थे। अब 20 डॉलर या 30 डॉलर का सामान भी 80 डॉलर के शुल्क में फंस सकता है। इससे उनका मुनाफा घटेगा और कई व्यापारियों को अपने दाम बढ़ाने या अमेरिका को सामान भेजना बंद करने पर मजबूर होना पड़ सकता है। अमेरिका के खरीदारों पर भी असर होगा। उन्हें अब डिलीवरी में देरी और ज्यादा लागत का सामना करना पड़ सकता है। पहले जो सामान बिना शुल्क के पहुंचता था, अब उस पर भारी टैक्स लग सकता है। इससे उन्हें सामान महंगा मिलेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 30 जुलाई को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए और लगभग सौ साल पुरानी डि मिनिमिस छूट खत्म कर दी। इस छूट के तहत अमेरिका पहुंचने वाले 800 डॉलर तक के सामान पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाता था। लेकिन, अब अमेरिका में प्रत्येक पार्सल पर टैरिफ संबंधित देश के व्यापारिक संबंध के आधार पर तय होगा।नए नियमों के तहत लगभग सभी पार्सलों पर भारी शुल्क लगेगा, जिससे डाक ऑपरेटर और निर्यातक दोनों परेशान हैं। भारतीय डाक विभाग का कहना है कि अमेरिकी कस्टम्स और बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) से स्पष्ट दिशा-निर्देश न मिलने के कारण उसे अमेरिका को डाक पार्सल सेवाएं बंद करने का फैसला करना पड़ा है।

बता दें नियम 1930 के दशक में लागू हुआ था, ताकि छोटे मूल्य के सामान पर सीमा शुल्क न लगे। 2016 में बराक ओबामा सरकार ने इसकी सीमा 200 डॉलर से बढ़ाकर 800 डॉलर कर दी थी। इस छूट ने छोटे व्यवसायों, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी थी। ट्रंप प्रशासन ने इस वर्ष मई में ही चीन और हांगकांग को इस छूट से बाहर कर दिया था। अब 29 अगस्त से यह छूट सभी देशों के लिए खत्म हो जाएगी। इसके बाद लगभग हर पार्सल अमेरिकी सीमा शुल्क के दायरे में आएगा।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति की गिरफ्तारी पर कांग्रेस नेता थरूर ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि रानिल विक्रमसिंघे के ऊपर जो आरोप लगाए गए हैं वह मामूली प्रतीत होते हैं। गिरफ्तारी के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी सेहत चिंता का विषय है। थरूर ने लिखा, श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को मामूली आरोपों में हिरासत में लिए जाने को लेकर चिंतित हूं। उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण पहले ही उन्हें जेल अस्पताल ले जाया जा चुका है। बता दें कि श्रीलंकाई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रानिल विक्रमसिंघे को सरकारी धन के दुरुपयोग के मामले में गिरफ्तार किया गया है। उनकी गिरफ्तारी लंदन के एक निजी खर्च को सरकारी धन से पूरा करने के आरोपों को लेकर हुई है। विक्रमसिंघे 6 बार श्रीलंका के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। 2022 में आर्थिक संकट के दौरान जब राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे देश छोड़कर भाग गए तो विक्रमसिंघे ने ही देश की कमान संभाली थी। उन्हें देश को आर्थिक संकट से निकालने का श्रेय भी दिया जाता है। बाद में 2024 में जब चुनाव हुए तो विक्रमसिंघे, अनुरा कुमारा दिसानायके से चुनाव हार गए। थरूर ने इसे श्रीलंका का आंतरिक मामला बताते हुए कहा, मैं इस बात का पूरा सम्मान करते हुए कि यह श्रीलंका का आंतरिक मामला है, बस श्रीलंकाई सरकार से यह आग्रह करना चाहता हूं कि वह बदले की राजनीति का त्याग करें और अपने पूर्व राष्ट्रपति के साथ सम्मान और गरिमा के साथ पेश आएँ, देश के प्रति उनकी दशकों की सेवा के बाद वह इसके तो हकदार हैं ही। बता दें, इससे पहले वरिष्ठ श्रीलंकाई पत्रकार वेंकट नारायण ने भी पूर्व श्रीलंकाई राष्ट्रपति की गिरफ्तारी को हस्यास्पद बताया था। उन्होंने कहा कि यह हास्यास्पद है। रानिल ने अपनी गिरफ्तारी के ठीक पहले कहा था, ÷मैंने अपने लिए कुछ नहीं किया। मैंने सिर्फ श्रीलंका के लिए काम किया है। और आप सभी मुझे जानते हैं। मुझे गिरफ्तार करना दर्शाता है कि राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके किस तरह के प्रशासन का नेतृत्व कर रहे हैं।

राहुल के समर्थन में उतरे राज ठाकरे बोले- वो इतने साल से वोट चुराकर बना रहे सरकार

पुणे (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कथित वोट चोरी के मामले में केंद्र की मोदी सरकार पर हमलावर हैं। इस हमले में राहुल गांधी को मनसे प्रमुख राज ठाकरे का साथ मिल गया है। ठाकरे ने कहा कि वह 2016 से ही 'वोट चोरी'की बात कर रहे हैं। जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी और भाजपा के अनुराग ठाकुर ने मतदाता सूची में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था, तब निर्वाचन आयोग को इसकी जांच करनी चाहिए थी। नगर निकाय चुनावों से पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के स्थानीय पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मतदाता सूचियों की सावधानीपूर्वक जांच करने को कहा।

राज ठाकरे ने कहा कि वे इतने वर्षों तक वोट चुराकर सरकार बनाने में कामयाब रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि वे किस राजनीतिक दल की बात कर रहे हैं। राज ठाकरे ने कहा कि पिछले दस सालों से वोटों की चोरी हो रही है। मैं 2016 से इसके बारे में बोल रहा हूं। मैंने शरद पवार, सोनिया

गांधी, ममता बनर्जी और अन्य विपक्षी सदस्यों से भी मुलाकात की। वर्ष 2017 में, मैंने चुनावों का बहिष्कार करने का सुझाव दिया था। राहुल गांधी और अनुराग ठाकुर द्वारा मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि विपक्ष के साथ-साथ सरकार के सदस्य भी संदेह जता रहे हैं। ऐसे में निर्वाचन आयोग को उसकी जांच करनी चाहिए, लेकिन वह मामले को दबाना पसंद कर रहा है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ऐसा नहीं करेगा, क्योंकि उसे डर है कि पिछले 10 वर्षों की 'वोट चोरी'उजागर हो जाएगी।

सीएम फडणवीस ने शिंदे के विभाग पर उठाया सवाल तो शुरु हो गई अनबन की अटकलें

मुंबई(एजेंसी)। राजनीति में बात का बतंगड़ बन जाए ये कोई नई बात नहीं है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विभाग को लेकर कुछ सवाल उठा दिए उसी पर राज्य में बात का बतंगड़ बन गया है। अटकलों का दौर शुरु हुआ तो रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब सीएम फडणवीस ने भरी सभा में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के डिपार्टमेंट को सुना दिया है। ऐसे में अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या महाराष्ट्र की महायुति सरकार का डायनामिक्स बदलने जा रहा है? क्या शिंदे की शिवसेना महायुति से अलग होगी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना की एनडीए में घर वापसी होगी? सीएम फडणवीस और राज ठाकरे की मुलाकात और शिंदे के डिपार्टमेंट को दो टूक सुनाने से कुछ बड़े राजनीतिक संकेत मिलने लगे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सीएम फडणवीस ने अधिकारियों से स्पष्ट शब्दों में कहा, अमृत मिशन के तहत शहरी क्षेत्रों में जल आपूर्ति,

स्वच्छता, हरित उद्यान और झीलों के पुनर्जीवन जैसे कार्य किए जा रहे हैं। यह मिशन नागरिकों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकता है। इसलिए सभी लंबित काम 31 मार्च 2026 तक पूरे किए जाने चाहिए। लंबित प्रशासनिक मंजूरी भी तुरंत दी जाए। उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं जैसे 15वें वित्त आयोग से मिलने वाले अनुदान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री फडणवीस ने विभागों को आवश्यक मंजूरी लिए बिना प्रोजेक्ट शुरू न करने, विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाने और ज़रूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री कार्यालय से मदद लेने का सुझाव दिया।

दूसरी ओर, शिंदे के विभाग के अधिकारियों ने कहा कि मंत्री पहले ही अफसरों को चेतावनी दे चुके हैं और ज़िम्मेदारी तय करने के आदेश जारी किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, शिंदे के डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया कि अमृत 2.0 और नगरोत्थान महाभियान जैसी परियोजनाओं में देरी होने पर ठेकेदार, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंट या ज़िम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विवाद के बीच शिंदे ने शनिवार को छत्रपति संभाजी नगर में फडणवीस द्वारा आयोजित एक जलापूर्ति योजना के कार्यक्रम को भी टाल दिया। शिंदे गुट के मंत्री प्रताप सरनाईक ने उनकी गैरहाज़िरी पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं जानता कि वे आज कार्यक्रम में क्यों नहीं आए, लेकिन कल रात वे मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के साथ बैठक में मौजूद थे। जहां तक विभाग के कामकाज का सवाल है, शिंदे इसे कुशलता से चला रहे हैं और अधिकारियों को पहले ही सख्त निर्देश दे चुके हैं। महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं, जबकि यहां की विधानसभा में कुल 288 सीटें हैं। विधानसभा में सीटों की संख्या के लिहाज से इस प्रदेश का राज्यसभा में भी महत्व बढ़ जाता है। कुल मिलाकर महाराष्ट्र का देश की राजनीति में अच्छा रसूख है, ऐसे में वहां के राजनीतिक गलियारों में क्या चल रहा है, इस पर सबकी नजरें टिकी रहती हैं। उसी महाराष्ट्र में एक बार फिर से राजनीति के करवट लेने की संभावना प्रबल हो गई है।

मोदी को दुनिया के बॉस बताने वाले फिजी के पीएम पहुंचे नई दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिजी गणराज्य के प्रधानमंत्री सीटिवेनी लिगामामादा राबुका अपनी पत्नी सुलुवेती राबुका के साथ चार दिवसीय यात्रा पर रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि राबुका की यात्रा से भारत-फिजी साझेदारी विभिन्न क्षेत्रों में और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री राबुका 24 से 27 अगस्त तक भारत में रहेंगे।

बता दें कि जनवरी 2025 में फिजी में राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू और आईएमएफ की संस्थापक प्रोफेसर हिमानी सूद के साथ बैठक में राबुका ने कहा था कि पीएम मोदी दुनिया के बॉस हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि सबका साथ, सबका विकास एक उत्कृष्ट शासन मॉडल है, जिसका पालन प्रधानमंत्री मोदी कर रहे हैं। यह सुनिश्चित करता है कि सभी एक साथ आगे बढ़ें और समृद्ध हों।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, आज उनकी एक कैबिनेट मंत्री के साथ बैठक होगी। 25 अगस्त को राबुका राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित

करने के बाद हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे, जिसके बाद समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान और प्रेस वक्तव्य जारी होंगे। इसके बाद वे राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलेंगे। 26 अगस्त को फिजी के नेता सपू हाउस में भारतीय विश्व मामलों की परिषद द्वारा आयोजित एक व्याख्यान देंगे। यह यात्रा 27 अगस्त को दिल्ली से उनके प्रस्थान के साथ समाप्त होगी। भारत और फिजी के बीच लंबे समय से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। ऐतिहासिक सांस्कृतिक जुड़ाव, प्रवासी भारतीय समुदाय और आपसी सहयोग इन रिश्तों को और मजबूत करते हैं। भारत और फिजी के संबंध 1879 में शुरू हुए, जब भारतीय मजदूरों (गिरमिटिया) को गन्ने के बागानों में काम करने के लिए अनुबंध प्रणाली के तहत फिजी लाया गया था। 1879 और 1916 के बीच लगभग 60,553 भारतीय फिजी पहुंचे। 20वीं सदी की शुरुआत में भारतीय व्यापारी और अन्य लोग भी फिजी जाने लगे। 1920 में अनुबंध प्रणाली समाप्त हुई। 1970 में फिजी की स्वतंत्रता से पहले, 1948 से भारत का एक आयुक्त वहां कार्यरत था, जिसे स्वतंत्रता के बाद उच्चायुक्त के पद पर पदोन्नत किया गया।

उत्तराखंड में बार-बार क्यों आ रही आपदा? वैज्ञानिक तलाशेंगे कारण

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में बार बार आ रही प्राकृतिक आपदाओं के कारण वैज्ञानिक तलाशेंगे।

थराली, सैजी (पौड़ी) और धराली क्षेत्रों में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदाओं को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की एक समिति गठित करने का आदेश दिया है। इसका उद्देश्य इन क्षेत्रों में बार-बार हो रही आपदाओं के पैटर्न और कारणों का गहन अध्ययन करना है।

बता दें कि थराली में बादल फटने से घायल छह लोगों को शनिवार को हेलिकॉप्टर से एम्स ऋषिकेश भेजा गया, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। राज्य में अगले दो दिनों के लिए मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसे देखते हुए सीएम धामी ने सभी जिलाधिकारियों को अलर्ट रहने और संवेदनशील स्थानों पर आपदा प्रबंधन सामग्री और उपकरण पहले से तैयार रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समिति में राज्य

और केंद्र सरकार की प्रतिष्ठित एजेंसियों के वैज्ञानिक और विशेषज्ञ शामिल होंगे, जो पिछले सालों के डेटा और मौजूदा परिस्थितियों का विश्लेषण करेंगे। उनका लक्ष्य भविष्य में ऐसी आपदाओं की संभावना को कम करना और बेहतर आपदा प्रबंधन तैयार करना है। सीएम धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत और पुनर्वास कार्य में तेजी लायी जाए, बेघर हुए लोगों को तुरंत आश्रय उपलब्ध कराया जाए और बुनियादी सुविधाओं जैसे बिजली, पानी और सड़क संपर्क को जल्द से जल्द बहाल किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा, इस अध्ययन से हमें यह समझने में मदद मिलेगी कि उत्तराखंड में बार-बार आपदाएं क्यों आती हैं और भविष्य में उनका प्रभाव कैसे कम किया जा सकता है। विशेषज्ञ समिति जल्द ही अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी और इसके आधार पर राज्य सरकार आपदा प्रबंधन नीतियों में सुधार करेगी।

ट्रंप के बस की बात नहीं... पीएम मोदी रुकवाएंगे रूस-यूक्रेन युद्ध, पुतिन और जेलेंस्की आएंगे भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोई ग्लोबल लीडर कहता है तो कोई उनकी सराहना करने से नहीं थकता है। जिस काम को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नहीं कर पाए उसे पीएम मोदी पूरा करने जा रहे हैं। वो है रूस-यूक्रेन के बीच शांति बहाल कराना। ट्रंप का मानना है कि भारत रूस से लगातार तेल खरीद रहा है इसके कारण यह युद्ध अनवरत जारी है। इन तमाम आरोप प्रत्यारोपों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की खबरें सामने आई। वहीं, अब भारत में यूक्रेन के राजदूत अलेक्जेंडर पोलिशचुक ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की भारत यात्रा की बात कही है।

पोलिशचुक ने यूक्रेन के राष्ट्रीय ध्वज दिवस के अवसर पर बोलते हुए कहा कि 2023 से यूक्रेन और भारत के बीच बातचीत में वृद्धि हुई है, जिसका उन्होंने स्वागत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस बयान की भी सराहना की कि भारत युद्ध में तटस्थ नहीं है, बल्कि दृढ़ता से शांति, कूटनीति और राजनीतिक संवाद का समर्थन करता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सितंबर में होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में दोनों देशों के बीच यह बातचीत जारी रहेगी। इसके अलावा, यूक्रेन ने एक बार फिर रूस के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त करने में भारत की अधिक सक्रिय भूमिका की अपील की है। भारत में यूक्रेन के राजदूत अलेक्जेंडर पोलिशचुक ने शनिवार को कहा कि रूस के साथ भारत के लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को देखते हुए यूक्रेन भारत को संभावित शांति वार्ताओं में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में देखता है। जेलेंस्की की भारत यात्रा के बारे में पूछे जाने वाले पर राजदूत ने कहा, दोनों देश यात्रा की तारीख और वार्ता के विषय को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। जल्द ही इसका ऐलान कर दिया जाएगा। राजदूत ने बातचीत में आगे कहा, हम यूक्रेन में शांति-निर्माण प्रक्रिया में भारत की अधिक भागीदारी की उम्मीद करते हैं। मेरा मानना है कि हमारी सभी बैठकें इस बात पर चर्चा का हिस्सा होंगी कि भारत सीधे या परोक्ष रूप से रूस के साथ राजनीतिक बातचीत में कैसे शामिल हो सकता है। विशेष रूप से रूस और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को ध्यान में रखते हुए हमें इसकी उम्मीद है। यूक्रेनी राजदूत ने लेख में भारत-यूक्रेन संबंधों के बारे में चर्चा की है। उन्होंने लिखा, यूक्रेन के तीन राष्ट्रपतियों ने भारत का आधिकारिक दौरा किया, जबकि भारत के दो राष्ट्रपतियों ने यूक्रेन का दौरा किया। 2021 तक यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण से पहले द्विपक्षीय व्यापार लगभग 3.4 अरब तक पहुंच गया था। उन्होंने कहा, एक लंबे विराम के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति और भारत के प्रधानमंत्री के बीच पहली बैठक नवंबर 2021 में ग्लासगो में जलवायु शिखर सम्मेलन के दौरान हुई। मई 2023

से ऐसी बैठकें और टेलीफोन वार्ता नियमित हो गई हैं। 23 अगस्त 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय खोला। इसने रणनीतिक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ने के लिए दोनों लोकतंत्रों के नेताओं की आकांक्षा की पुष्टि की। आज, दोनों देशों के विदेश मंत्रालय और राजनयिक मिशन इस साझा उद्देश्य को लागू करने के लिए लगन से काम कर रहे हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की की भारत की आगामी यात्रा के दौरान रणनीतिक साझेदारी के लिए एक रोडमैप पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।

विदेश में खाद्य तेलों में मजबूती से आयातित तेल की कीमतों में सुधार

सोयाबीन, पाम तेलों के भाव बढ़े, कमजोर मांग के चलते सरसों व बिनौला तेल के भाव फिसले

नई दिल्ली । बीते सप्ताह खाद्य तेलों के घरेलू बाजार में मिश्रित रुख देखने को मिला। विदेशी बाजारों में कीमतों में मजबूती के असर से आयातित तेलों, विशेषकर सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम में तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर सरसों और बिनौला तेलों के भाव में गिरावट देखी गई, जबकि मूंगफली तेल के दाम स्थिर रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेलों के भाव बढ़ने से घरेलू बाजार में भी सोयाबीन डीगम, पाम और पामोलीन के भाव में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम 150 रुपए की बढ़त के साथ 10,550 प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सीपीओ 11,850 और पामोलीन दिल्ली 13,450 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। हालांकि सरसों तेल-तिलहन पर उच्च कीमतों का असर पड़ा। थोक भाव ऊंचा होने के कारण उठाव कमजोर रहा। सरसों दाने 50 रुपए गिरकर 7,225-7,275 प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल 250 रुपए की गिरावट के साथ 15,750 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके अलावा, कमजोर मांग के चलते बिनौला तेल के दाम 300 रुपए की गिरावट के साथ 13,000 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गए। मूंगफली तेल-तिलहन बाजार में सुस्ती के चलते स्थिर रहा। मूंगफली तिलहन 5,700-6,075, गुजरात मूंगफली तेल 13,500 रुपए प्रति क्विंटल पर टिका रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि अक्टूबर में नई फसलों की आवक (सोयाबीन, कपास, मूंगफली) और बढ़ा हुआ न्यूनतम समर्थन मूल्य बाजार पर असर डालेगा। पुराने स्टॉक की खपत पहले से ही धीमी है, जिससे आगे की रणनीति चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

हीरो मोटोकॉर्प के शेयरों में तेजी, अगस्त में ऑटो सेक्टर का बेहतर प्रदर्शन

- शेयर की कीमतों में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली । दुनिया की प्रमुख टू-व्हीलर्स कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के शेयरों में हाल के दिनों में तेज तेजी देखने को मिली है। बीएसई पर शुक्रवार को यह स्टॉक 4997 रुपये के स्तर पर बंद हुआ, जबकि दिन में यह 5115.15 रुपये तक पहुंच गया था। अगस्त के महीने में यह ऑटो सेक्टर का सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला स्टॉक बना हुआ है।

पिछले 16 कारोबारी दिनों में कंपनी के शेयरों में करीब 17.60 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 19 अगस्त को यह स्टॉक नौ महीने के उच्चतम स्तर 5165 रुपये तक पहुंच गया था। नवंबर 2023 के बाद अगस्त महीना हीरो मोटोकॉर्प के लिए सबसे शानदार साबित हुआ है। हीरो मोटोकॉर्प की जून तिमाही रिपोर्ट ने निवेशकों को खुश किया है। कंपनी ने उम्मीद से बेहतर परिणाम देकर मजबूत संकेत दिए हैं। इसके अलावा, सरकार द्वारा जीएसटी रेट में कटौती की संभावना ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। अगर जीएसटी स्लैब को वर्तमान 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया जाता है, तो इसका सबसे बड़ा फायदा हीरो मोटोकॉर्प को होगा, जिससे कंपनी की लागत घटेगी और मुनाफा बढ़ेगा। कंपनी ने अपना खोया हुआ मार्केट शेयर वापस हासिल कर लिया है। वित्त वर्ष की सालाना वृद्धि 30.90 प्रतिशत रही है। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) सेगमेंट में कंपनी का मार्केट शेयर भी डबल हो चुका है, जो कंपनी के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि हीरो मोटोकॉर्प ने 4865 रुपये के मजबूत रेजिस्टेंस को तोड़ते हुए बुलिश सेटअप बनाया है। यदि यह तेजी जारी रही तो स्टॉक 5400 रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे निवेशकों को अच्छा मुनाफा मिलने की संभावना है। हीरो मोटोकॉर्प के स्टॉक की इस तेजी ने निवेशकों और बाजार विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित किया है और कंपनी के भविष्य को लेकर सकारात्मक उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

एप्पल का गंभीर आरोपः ओप्पो और पूर्व कर्मचारी पर ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा

- हेल्थ तकनीक से जुड़ी गोपनीय जानकारी चुराने का आरोप, 63 दस्तावेज यूएसबी में ट्रांसफर किए गए

वाशिंगटन।

अमेरिकी टेक कंपनी एप्पल इंक ने चीनी स्मार्टफोन निर्माता ओप्पो और अपने पूर्व कर्मचारी चेन शी के खिलाफ ट्रेड सीक्रेट चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। एप्पल का आरोप है कि चेन शी ने कंपनी की हेल्थ-सेंसिंग तकनीक से जुड़ी गोपनीय जानकारी चुराई और उसे ओप्पो के साथ साझा किया।

चेन शी एप्पल वाच टीम में सेंसर सिस्टम आर्किटेक्ट थे और जून में कंपनी छोड़ने से पहले उन्होंने कई गोपनीय बैठकों में हिस्सा लिया। शिकायत के अनुसार, नौकरी छोड़ने से तीन दिन पहले उन्होंने रात में कंपनी के प्रोटेक्टेड फोल्डर से 63 महत्वपूर्ण दस्तावेज डाउनलोड किए और उन्हें यूएसबी ड्राइव में ट्रांसफर किया। एप्पल का कहना है कि चेन शी ने झूठा बहाना बनाया कि वे चीन लौटकर अपने माता-पिता की देखभाल करेंगे, लेकिन वास्तव में वे ओप्पो की हेल्थ डिवीजन से जुड़ने की योजना बना रहे थे। आरोप है कि उन्होंने ओप्पो के हेल्थ डिवीजन के वाइस प्रेसिडेंट को जानकारी साझा करने के इरादे से संपर्क भी किया। दूसरी ओर ओप्पो ने इन आरोपों से इनकार किया है। कंपनी का कहना है कि उसने एप्पल की किसी भी गोपनीय जानकारी का उल्लंघन नहीं किया और जांच में पूरा सहयोग किया जाएगा। ओप्पो ने यह भी कहा कि अभी तक ऐसा कुछ साबित नहीं हुआ है जिससे लगे कि चेन शी ने जानकारी का दुरुपयोग किया हो। एप्पल का मानना है कि इस तरह की घटनाएं उसके नवाचार और अरबों डॉलर के निवेश को नुकसान पहुंचा सकती हैं। कंपनी पहले भी इस तरह के मामलों में पूर्व कर्मचारियों और प्रतिस्पर्धियों पर कानूनी कार्रवाई कर चुकी है।

एसबीआई बैंक फ्रॉड केस में अनिल अंबानी ने सभी आरोपों से किया इनकार

अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला 10 साल पुरानी घटनाओं से जुड़ा है

नई दिल्ली ।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास और रिलायंस कम्युनिकेशन्स (आरकॉम) के दफ्तरों पर शनिवार को छापा मारा। यह कार्रवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की शिकायत पर की गई, जिसमें लगभग 2,929 करोड़ रुपए के लोन घोटाले का आरोप लगाया गया है। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला 10 साल पुरानी घटनाओं से जुड़ा है और एसबीआई के दावे को पहले ही न्यायालय में चुनौती दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि अंबानी उस समय आरकॉम के गैर-कार्यकारी निदेशक थे और कंपनी के दैनिक प्रबंधन में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। प्रवक्ता ने यह भी दावा किया कि एसबीआई ने अन्य निदेशकों पर से पहले ही कार्रवाई वापस ले ली थी, फिर भी अंबानी को अलग से निशाना बनाया गया। वर्तमान में, रिलायंस कम्युनिकेशन्स का प्रबंधन एसबीआई के नेतृत्व वाले क्रेडिटर्स की समिति और रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की देखरेख में किया जा रहा है। यह मामला पिछले छह सालों से एनसीएलटी और उच्च न्यायालय सहित अन्य न्यायिक मंचों में विचाराधीन है। सीबीआई ने मुंबई स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत के आधार पर रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेडऔर इसके निदेशक अनिल डी. अंबानी समेत कुछ अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अनिल अंबानी ने सभी आरोपों का खंडन करते हुए कहा है कि वे कानून के अनुसार अपना बचाव करेंगे।

संयुक्त खातों और एफडी में नाम जोड़ना पड़ सकता है भारी

आयकर विभाग से मिल सकता है नोटिस

नई दिल्ली।

बैंक खातों और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में परिवार के सदस्यों का नाम जोड़ना एक आम परंपरा है। लोग इसे सुविधा या भविष्य की प्लानिंग के तहत करते हैं। लेकिन टैक्स विशेषज्ञों के अनुसार, यह आदत अब परेशानी का कारण बन सकती है। आयकर विभाग से नोटिस आने की घटनाएं बढ़ रही हैं, खासकर उन लोगों को जिनकी खुद की कोई आय नहीं है। असल में इनकम टैक्स के नियमों के तहत बैंक, एनबीएफसी और म्यूचुअल फंड कंपनियों को बड़े लेन-देन की जानकारी सरकार को देनी होती है। उदाहरण के लिए, सेविंग अकाउंट में 10 लाख से ज्यादा जमा या निकासी, एफडी में 10 लाख रुपए से अधिक, और 2 लाख रुपए से ज्यादा के म्यूचुअल फंड निवेश की रिपोर्ट की जाती है। रिपोर्टिंग के दौरान सभी जॉइंट होल्डर्स का पीएएन नंबर दर्ज होता है, जिससे पूरी राशि हर होल्डर के एआईएस और टीआइएस में दिखाई देने लगती है। इससे टैक्स रिटर्न और आयकर विभाग के डेटा में अंतर आ जाता है और स्वतः नोटिस जारी हो सकता है। यह परेशानी गृहिणियों, रिटायर्ड लोगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए ज्यादा गंभीर है। विशेषज्ञों की सलाह है कि आईटीआर भरने से पहले एआईएस की जांच करें और यदि लेन-देन आपकी आय से नहीं है तो उसे` कि` बिलांग टू अदर पेन के रूप में दर्ज करें। इसके अलावा बैंक स्टेटमेंट और गिफ्ट डीड जैसे दस्तावेज तैयार रखें ताकि जरूरत पड़ने पर विभाग को जवाब दिया जा सके। विशेषज्ञ मानते हैं कि रिपोर्टिंग आवश्यक है, लेकिन नियमों में बदलाव कर गैर-आय वाले जॉइंट होल्डर्स को राहत दी जानी चाहिए।

यश बैंक में एसएमबीसी का बड़ा निवेश

- आरबीआई ने दी 24.99 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी

मुंबई ।

प्राइवेट सेक्टर के यश बैंक में जापान के बड़े बैंक सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) का निवेश अब एक कदम और करीब पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एसएमबीसी यश बैंक में 24.99 तक हिस्सेदारी खरीदने की सशर्त मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी हाल ही में जारी एक पत्र के माध्यम से दी गई है और एक साल तक वैध रहेगी। यश बैंक ने यह जानकारी स्टॉक एक्सचेंज को देते हुए स्पष्ट किया कि इस निवेश के बावजूद एसएमबीसी को बैंक का प्रमोटर नहीं माना जाएगा। इससे पहले मई 2025 में एसएमबीसी ने यश बैंक में 20 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का प्रस्ताव रखा था। इस प्रस्ताव के तहत एसबीआई से 13.19 फीसदी और अन्य सात बैंकों जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा आदि से मिलाकर 6.81 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की योजना बनाई गई थी। आरबीआई ने इस सौदे के लिए कुछ शर्तें भी तय की हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगा

- वर्ष 2027 तक ईवी उत्पादन लक्ष्य, इगतपुरी में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) देश और विदेश में बढ़ती मांग को देखते हुए एक नया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि महिंद्रा वर्तमान में नई फैक्ट्री के लिए उपयुक्त जमीन की तलाश में है, ताकि भविष्य में उत्पादन क्षमता में विस्तार किया जा सके। कंपनी ने हाल ही में अपना नया मॉड्यूलर मल्टी-एनर्जी प्लेटफॉर्म 'एनयू आईक्यू' पेश किया है, जो इलेक्ट्रिक और अन्य ऊर्जा विकल्पों पर आधारित नई एसयूवी श्रृंखला को समर्थन देगा। इस प्लेटफॉर्म का पहला उत्पाद 2027 तक बाजार में आने की उम्मीद है। यह मंच भारत के साथ-साथ वैश्विक बाजारों में अप्रयुक्त संभावनाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। महिंद्रा के वाहन प्रभाग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के मुतो बिक कंपनी अपने मौजूदा चाकन संयंत्र की उत्पादन क्षमता को 2.4 लाख यूनिट तक बढ़ाने की योजना पर भी विचार कर रही है। लेकिन ईवी क्षेत्र में कंपनी का लक्ष्य 2027 तक 10 लाख यूनिट की वार्षिक उत्पादन क्षमता हासिल करना है, जिसके लिए अतिरिक्त सुविधाओं की आवश्यकता होगी। इस क्रम में महिंद्रा ने महाराष्ट्र सरकार को इगतपुरी में 350 एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए रुचि पत्र भी सौंपा है। कंपनी के पास पहले से ही नासिक और इगतपुरी में संयंत्र हैं

ई20 पेट्रोल से कारों की माइलेज में 2-5 फीसदी गिरावट संभव- विशेषज्ञ

पुराने वाहनों में लंबे समय में ईंधन सिस्टम को हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली । वाहनों में 20 प्रतिशत एथनॉल (ई20) मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से माइलेज में 2 से 5 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। ऑटोमोबाइल उद्योग के विशेषज्ञों का कहना है कि इथेनॉल का कैलोरी मान पेट्रोल की तुलना में कम होने के कारण यह असर देखने को मिल सकता है। हालांकि सरकार का कहना है कि ई20 ईंधन से दक्षता में भारी कमी नहीं आती। विशेषज्ञों के अनुसार ई20 के अनुरूप न होने वाले पुराने वाहनों में लंबे समय में गैसकेट, रबर होज और ईंधन पाइपलाइन जैसे हिस्सों में क्षरण हो सकता है। हालांकि यह प्रभाव तुरंत नहीं होता, लेकिन नियमित उपयोग के साथ धीरे-धीरे यह समस्याएं सामने आ सकती हैं। टाटा मोटर्स ने पुष्टि की है कि उसके वाहन ई20 के अनुकूल हैं। वहीं मारुति सुजुकी और हुंडई मोटर इंडिया ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। सरकार का उद्देश्य इथेनॉल सम्मिश्रण से न केवल प्रदूषण को कम करना है, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि करना है। इथेनॉल गन्ना और मक्का जैसे कृषि उत्पादों से प्राप्त किया जाता है, जिससे देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। विशेषज्ञों का सुझाव है कि उपभोक्ता पुराने वाहनों में ई20 का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें और नियमित रूप से ईंधन सिस्टम की जांच कराएं। नए वाहन खरीदते समय यह सुनिश्चित करें कि वह ई20 के अनुकूल हो।

फेडरल रिजर्व के फैसले, वै श्विक आंकडों से तय होगी बाजार की चाल

- निवेशकों को दरों में नरमी की उम्मीद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती के संकेत से वैश्विक बाजारों में तेजी आई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव घरेलू शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। जैक्सन हॉल संगोष्ठी में फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की दिशा में प्रगति हो रही है, जिससे निवेशकों को दरों में नरमी की उम्मीद बंधी है। इसके चलते अमेरिकी बाजारों में जोरदार तेजी देखी गई, वहीं डॉलर सूचकांक में कमजोरी आई। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय बाजार को भी इससे सहारा मिल सकता है। हालांकि, अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क लगाने की 27 अगस्त की समयसीमा निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। विश्लेषकों के अनुसार इस मुद्दे पर स्पष्टता आने तक विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की भागीदारी सीमित रह सकती है। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार का रुख विदेशी निवेश, वैश्विक संकेतों और भारत, अमेरिका एवं चीन के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा।

विशेषज्ञों ने कहा कि शुल्क की घोषणा और आर्थिक डेटा पर कड़ी नजर रखना जरूरी होगा। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 709 अंक और निफ्टी में 238 अंक की बढ़त दर्ज की गई। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि जीएसटी 2.0 जैसे सुधारों और घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती से बाजार को समर्थन मिलता रहेगा। गणेश चतुर्थी के अवसर पर बुधवार को बाजार बंद रहेगा।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED OLD NAME FROM ARPITABAHEN KULDIP PUROHIT **TO NEW NAME ARPITA KULDIP PUROHIT** & I WILL BE KNOWN AS NEW NAME WHICH PLEASE NOTE.
SD: ARPITA KULDIP PUROHIT
ADDRESS :- 204, MARUTI APARTMENT, 2ND FLOOR, TIN BATTI, TIN BATTI CIRCLE, NANI DAMAN, DAMAN, DAMAN AND DIU - 396210, INDIA

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED OLD NAME FROM KULDIPKUMAR RAJESHKUMAR PUROHIT TO **NEW NAME KULDIP RAJESHKUMAR PUROHIT** & I WILL BE KNOWN AS NEW NAME WHICH PLEASE NOTE.
SD: KULDIP RAJESHKUMAR PUROHIT
ADDRESS:-- - 204,MARUTI APARTMENT, 2ND FLOOR, TIN BATTI, TIN BATTI CIRCLE, NANI DAMAN, DAMAN, DAMAN AND DIU - 396210, INDIA

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED OLD NAME FROM AMAN SHAHBUDIN DAWOODANI TO NEW NAME AMAN SHAHBUDIN DAUDANI & I WILL BE KNOWN AS NEW NAME WHICH PLEASE NOTE.
SD : AMAN SHAHBUDIN DAUDANI
ADDRESS :- AT POST-TALASARI, PATILPADA, UDHAWA ROAD, TALASARI DIST, PALGHAR, PIN:401606, MAHARASHTRA, INDIA

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM KRISH SHASHI PATEL **TO KRISH SHASHIKUMAR PATEL**
ADDRESS :- 222/KH, DUNGRI FALIA, KACHIGAM, NANI DAMAN, DIST: DAMAN & DIU-396210

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM VISHA SHASHIKANT PATEL **TO VISHA SHASHIKUMAR PATEL**
ADDRESS :- 222/KH, DUNGRI FALIA, KACHIGAM, NANI DAMAN, DIST: DAMAN & DIU -396210.

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM SHASHIKANT AMARATBHAI PATEL **TO PATEL SHASHIKUMAR AMRATLAL**
ADDRESS :- 222/KH, DUNGRI FALIA, KACHIGAM, NANI DAMAN, DIST: DAMAN & DIU-396210

ड्रग्स की तस्करी में युवतियां शामिल

■छत्तीसगढ़ के रायपुर में पंजाब से ड्रग की तस्करी

रायपुर (ईएमएस)। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ड्रग कारोबार के गढ़ बनते जा रहे हैं। ड्रग के कारोबार में अब बड़े पैमाने पर युवतियों और महिलाओं को भी शामिल किया जा रहा है। महिलाओं के माध्यम से ड्रग्स की सप्लाई आसानी के साथ हो जाती है। पुलिस इनके ऊपर शक नहीं करती है। सप्लाई के काम में बड़ी संख्या में महिलाओं का उपयोग तस्करों द्वारा किया जा रहा है। ड्रग्स के कारोबारी इस धंधे में बड़ी संख्या में महिलाओं को शामिल कर रहे हैं। रायपुर पुलिस ने छह स्थानों पर छापे मारे। 6 तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 57 लाख रुपए का ड्रग्स बरामद की है। एएसपी डॉक्टर लाल उमेद सिंह ने जानकारी देते हुए बताया, आरोपी मनमोहन सिंह संधू उर्फ जग्गू उम्र 30 वर्ष गिरोह का सरगना है। वह ट्रक चलाता है। ट्रक के माध्यम से पंजाब से ड्रग्स की तस्करी करता है। वह खुद भी ड्रग्स का आदी है। इस काम में उसकी पत्नी जसप्रीत कौर उम्र 25 वर्ष भी शामिल है। वही पैसे के लेनदेन का हिसाब रखती है। पूछताछ के दौरान रायपुर पुलिस को जानकारी लगी है। पंजाब और पाकिस्तान के रास्ते से बड़ी मात्रा में ड्रग्स छत्तीसगढ़ लाई जा रही है। इसकी स्थानीय सप्लाई में बड़ी संख्या में महिलाएं लगी हुई है।

बालू माफिया-पुलिस में मुठभेड़

पटना(ईएमएस)। पटना के बिहटा थाना इलाके के अमनाबाद सोन नदी इलाके में बालू माफिया और पुलिस के बीच फायरिंग हुई है। बताया जाता है दोनों तरफ से करीब 30 मिनट में 50-60 राउंड फायरिंग की गई है। जिसके बाद पुलिस ने संजय राय गिरोह के 4 बदमाश को पकड़ा है। अवैध खनन के दौरान रंगदारी वसूलने का मामला सामने आया था। इसी सूचना के आधार पर पटना पुलिस शनिवार की रात से इस इलाके में अपराधियों की घेराबंदी के लिए डेरा डाली हुई थी। रविवार सुबह 4 बजते ही पुलिस की ओर से कार्रवाई शुरू की गई। इसी बीच अपराधियों ने पुलिस के ऊपर फायरिंग शुरू कर दी गई। पुलिस ने सुबह 4 बजे से 9 बजे तक सर्च ऑपरेशन चलाया। जिसके बाद अपराधियों ने पुलिस के सामने घुटने टेक दिए। कुछ हथियार नदी में भी फेंक दिए।

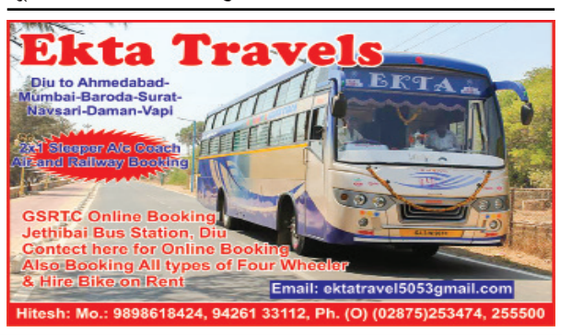

वॉटरशेडः साकार होता विकसित भारत का सपना

शिवराज सिंह चौहान

आज बिगड़ते पर्यावरण के कई जगहों पर भूजल का स्तर हजार-डेढ़ हजार फीट नीचे चला गया है। अगर हमारी उपजाऊ मिट्टी इसी तरह बहती रही और जमीन बंजर होती रही, तो हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य कैसा होगा? इसी दूरदर्शी सोच और भविष्य की चिंता को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने एक बीड़ा उठाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने हमेशा दूरदृष्टि से काम किया है। वे सिर्फ आज की नहीं, आने वाले 50-100 वर्षों की सोचते हैं। उनके नेतृत्व में भारत सरकार का भूमि संसाधन विभाग, 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' के तहत 'वॉटरशेड विकास घटक ' को पूरे देश में लागू कर रहा है।

जल और मिट्टी संरक्षण से कृषि और किसान समृद्धि की ओर....

जल ही जीवन है और मिट्टी हमारा अस्तित्व, हमारा आधार है। जल और मिट्टी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, कुएं सूख रहे हैं, नदियों की धाराएं कमजोर हो रही हैं और भूजल पाताल में समा रहा है, तब यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल और मिट्टी की रक्षा करें। जब हमारे खेत हरे-भरे होंगे और किसान खुशहाल होंगे, तभी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार किया जा सकेगा, क्योंकि इस संकल्प का रास्ता हमारे गांवों की पगडंडियों, उपजाऊ मिट्टी और लहलहाती फसलों से होकर ही गुजरता है।

आज बिगड़ते पर्यावरण के कई जगहों पर भूजल का स्तर हजार-डेढ़ हजार फीट नीचे चला गया है। अगर हमारी उपजाऊ मिट्टी इसी तरह बहती रही और जमीन बंजर होती रही, तो हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य कैसा होगा? इसी दूरदर्शी सोच और भविष्य की चिंता को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने एक बीड़ा उठाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने हमेशा दूरदृष्टि से काम किया है। वे सिर्फ आज की नहीं, आने वाले 50-100 वर्षों की सोचते हैं। उनके नेतृत्व में भारत सरकार का भूमि संसाधन विभाग, 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' के तहत 'वॉटरशेड विकास घटक (WDC-PMKSY)' को पूरे देश में लागू कर रहा है। लेकिन यह काम अकेले सरकार नहीं कर सकती। इस महायज्ञ में सरकार के साथ समाज को भी खड़ा होना पड़ेगा। यह धरती को बचाने का अभियान है। पानी, माटी, धरती बचेगी तो भविष्य बचेगा। यह योजना विशेष रूप से उन क्षेत्रों में लागू की जा रही है जो सूखे और वर्षा पर निर्भर हैं और इन इलाकों में बसे हमारे किसान भाई-बहनों के जीवन में समृद्धि लाने का एक महाभियान है, जहाँ कभी पानी की एक-एक बूँद के लिए संघर्ष करना पड़ता था।

कई लोग मुझसे पूछते हैं कि आखिर यह वाटरशेड योजना है क्या? मैं उन्हें सरल भाषा में बताता हूँ कि यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि लोगों की अपनी, लोगों के लिए चलाई जाने वाली एक क्रांति है। इस योजना का मूलमंत्र है- 'खेत का पानी खेत में और गाँव का पानी गाँव में'। इसके तहत हम सब मिलकर खेतों की मेड़ें मजबूत करते हैं, खेत में ही छोटे तालाब बनाते हैं, और छोटे-छोटे नालों पर चेक डैम जैसी जल-संरचनाएं खड़ी करते हैं।

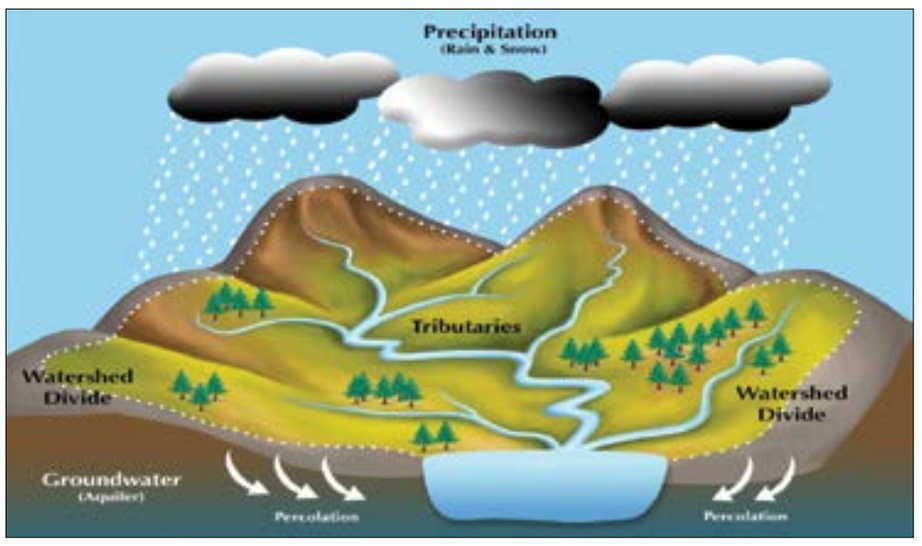

इससे बारिश का पानी बहकर बेकार नहीं जाता, बल्कि धीरे-धीरे धरती की प्यास बुझाता है, जिससे भूजल का स्तर बढ़ता है और मिट्टी में लंबे समय तक नमी बनी रहती है। इस योजना की सबसे बड़ी शक्ति इसकी जन-भागीदारी है। गाँव के लोग खुद बैठकर यह तय करते हैं कि तालाब कहाँ खोदना है, मेड़ कहाँ बनानी है और पेड़ कहाँ लगाने हैं। भूमिहीन परिवारों और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को भी मुर्गीपालन और मधुमक्खी पालन जैसे कामों से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाने का काम किया जा रहा है। इस योजना के बहुत सुखद परिणाम मिल रहे हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ हमारे किसान भाई-बहनों को मिला है, जिनकी आमदनी में 8% से लेकर 70% तक की ठोस वृद्धि हुई है। यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि 2015 से अब तक, सरकार ने रू.20,000 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च करके देशभर में 6,382 से अधिक परियोजनाएं चलाई हैं और लगभग 3 करोड़ हेक्टेयर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने का काम किया है।

मध्य प्रदेश के झाबुआ में, जहाँ कभी सूखा एक बड़ी समस्या थी, आज आदिवासी गाँवों में पानी भरपूर है और मिट्टी की उर्वरक शक्ति भी बढ़ गई है। परियोजना क्षेत्र के 22 गाँवों में भूजल स्तर एक मीटर तक बढ़ गया है। इससे खेती में भी परिवर्तन आया है। यहीं के किसान भाई बताते हैं कि गाँव में चेकडैम बनने से अब वे मक्के के साथ-साथ चने की फसल भी ले रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी रू.50,000 से रू.60,000 तक बढ़ गई है। साथ ही झाबुआ की ही परवलिया पंचायत में 12 खेतों में बने खेत तालाबों से किसानों की आमदनी रू.1 लाख से रू. 1.5 लाख प्रति हेक्टेयर तक बढ़ी है।

इस योजना के तहत 9 लाख से ज्यादा चेक डैम, रिसाव तालाब, खेत तालाब, जैसी वाटरशेड संरचनाएँ बनी हैं। 5.6 करोड़ से ज्यादा श्रम दिवस उपलब्ध हुए हैं, जिससे ग्रामीण रोजगार में वृद्धि हुई है। वाटरशेड विकास परियोजनाओं के लागू होने से गाँवों में उल्लेखनीय बदलाव आया है। जहाँ पहले पानी की कमी थी, उन परियोजना क्षेत्र में अब 1.5 लाख हेक्टेयर से ज्यादा नए इलाके में जल स्रोत फैले हैं, यानी 16% का इजाफा हुआ है। साथ ही अब किसान पारंपरिक फसलों के अलावा फलों और अन्य पेड़-पौधों की खेती भी करने लगे हैं, जिससे बागवानी और पेड़-पौधों की खेती का दायरा 12% बढ़कर 1.9 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है।

राजस्थान के बाड़मेर जैसे रेगिस्तानी इलाके में, जहाँ पानी की कमी किसानों को पलायन पर मजबूर कर रही थी, आज अनार की खेती से हरियाली लौट आई है। योजना के अंतर्गत 120 से अधिक किसानों को अनार के पौधे उपलब्ध कराए गए, जो वहाँ की बालू मिट्टी और सीमित पानी जैसी कठिन परिस्थितियों में भी आसानी से पनप जाते हैं। अनार की खेती ने न केवल आमदनी बढ़ाई, बल्कि बूड़ीवाड़ा गांव के मांगीलाल परांगी का कहना है कि उनके जैसे किसान अब अरंडी छोड़कर बागवानी की ओर बढ़ गए हैं। त्रिपुरा के दाशी रियांग और बिमन रियांग जैसे किसान योजना की मदद से अनानास की बागवानी करके अपनी बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बना रहे हैं और अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं।

इस पूरी क्रांति को जन-जन तक पहुँचाने और इसे एक जन-आंदोलन बनाने के लिए हमने 'वॉटरशेड यात्रा' भी निकाली। इस यात्रा के माध्यम से हमने देशभर में जल संरक्षण और भूमि संवर्धन के लिए एक जनजागरण अभियान चलाया। हमने इस योजना में तकनीक का भी भरपूर उपयोग किया है। ह्यभुवन जियोपोर्टल (सृष्टि)ह्ल और ह्यदृष्टिह्ल मोबाइल ऐप जैसे डिजिटल उपकरणों से योजनाओं की प्रगति की सटीक निगरानी हो रही है। किसानों की मेहनत और हमारी योजनाओं की वजह से, देशभर के फसल क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है। सैटेलाइट से मिले आँकड़े बताते हैं कि फसल क्षेत्र में लगभग 10 लाख हेक्टेयर (5% की वृद्धि) और जल स्रोतों के क्षेत्र में 1.5 लाख हेक्टेयर (16% की वृद्धि) का इजाफा हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है कि 8.4 लाख हेक्टेयर से ज्यादा बंजर जमीन अब फिर से खेती के योग्य बन चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज अमृतकाल में हम सब मिलकर भूमि संरक्षण की एक नई गाथा लिख रहे हैं। यह सिर्फ आँकड़े नहीं हैं, यह हमारे किसानों की मेहनत और उनके बेहतर भविष्य की जीती-जागती कहानी है। जब हम पानी और मिट्टी को बचाएंगे, तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित कर पाएंगे। इस संकल्प को मिलकर पूरा करें और किसानों को समृद्ध तथा भारत को विकसित बनाएं।

प्रधानमंत्री मोदी जी का मानना है कि केवल सरकार नहीं, समाज की भागीदारी से ही यह अभियान सफल होगा। उसी सोच के तहत ह्यवॉटरशेड यात्राह्ल जैसी पहल से इस योजना को जन-जन तक पहुँचाया गया है और यह एक जनांदोलन बन चुका है। यह भारतीय किसानों की मेहनत और बदलते भविष्य की कहानी है। जब जल और मिट्टी सुरक्षित होंगी, तभी भारत सुरक्षित रहेगा। 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब गाँवों की धरती समृद्ध होगी और किसान खुशहाल होंगे। आइए, मिलकर जल और माटी के इस रक्षा संकल्प को आगे बढ़ाएं।

(लेखक केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री है)

संपादकीय

फरियादी का हमला

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को सुबह सिविल लाइंस स्थित उनके कार्यालय पर आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति द्वारा हमले के पश्चात सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा कर जेड़ कैटेगरी कर दिया गया है। हमला गंभीर था, और जानलेवा भी हो सकता था। पुलिस ने यह कहा है। हमलावर गुजरात के राजकोट का रहने वाला सकरिया राजेश भाई खिमजी भाई (41) बताया गया है, जिसे मौके पर ही दबोच लिया गया। उसे पुलिस रिमांड़ पर ले लिया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने हमले को 'मुख्यमंत्री की हत्या की साजिश' का हिस्सा बताया है। पता चला है कि आरोपी पर पहले से पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं यानी वह आदतन अपराधी है, और कुछ कागजों में अपनी समस्या लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष पेश होने वाले फरियादियों की लाइन में जा लगा था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर किए गए इस हमले की पक्ष-विपक्ष सभी ने एक स्वर में कड़ी निंदा की है, और मांग की है कि इस मामले की कड़ाईसे जांच की जाए ताकि इस साजिश का खुलासा हो सके। बहरहाल, मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। इस घटना के अगले ही दिन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी नाथ के आवास के बाहर 'जनता दरबार' में पहुंचे एक फरियादी ने जहरीला पदार्थ खा लिया। वह अपने क्षेत्र के विधायक के उत्पीड़न की शिकायत लेकर पहुंचा था। इस प्रकार देखें तो इन दोनों मामलों में फरियादियों का असंतोष उभरा। एक में व्यक्ति ने खुद को मारना चाहा तो दूसरे मामले में आरोपी हत्या करने पर आमादा हो गया। दोनों मामलों में देखें तो हमलावर उग्रपंथी या असंतुष्ट गुट से फिलहाल तो संबंधित नहीं हैं। लेकिन उनमें असंतोष बेहद ज्यादा था। इसलिए जरूरी है कि सत्तारूढ़ सरकारें अपने नागरिकों में नाराजगी या असंतोष के कारणों को तलाशने के भी प्रयास करें। कहीं सत्तारूढ़ विधायक के उत्पीड़न से ग्रस्त फरियादी 'बागी' होने तो तत्पर है, तो दूसरी तरफ 'न्याय' मिलने से निराश व्यक्ति मुख्यमंत्री पर ही हमला कर बैठता है। सत्ताधारियों को बेहद संजीदगी से उन हालात को साजगार बनाना चाहिए जो असंतोष के कारण बनते हैं, और पीड़ित विवेक खो बैठता है। बहरहाल, दोनों मामलों की अच्छे से पूछताछ करके न्यायोचित कार्रवाई किया जाना अभीष्ट है।

चिंतन-मनन

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दशार्ता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

संसद संवाद और बहस का मंच है, हंगामे का नहीं

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान उसकी संसद होती है। संसद वह संस्था है जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि राष्ट्र की नीतियों, योजनाओं और कानूनों पर विचार-विमर्श करते हैं। यह वह सर्वोच्च मंच है जहाँ विभिन्न विचारधाराएं और दृष्टिकोण टकराते हैं और देशहित में समाधान निकलता है। लेकिन दुर्भाग्यवश आज भारतीय संसद की छवि हंगामे, तोड़फोड़, शोर-शराबे और गतिरोध का पर्याय बनती जा रही है। हाल ही में संपन्न मानसून सत्र इसकी बानगी था, जो आरंभ से अंत तक त्रासद हंगामे की भेंट चढ़ गया। यह सत्र बेहद निराशा एवं अफसोसजनक रहा, क्योंकि सरकार और विपक्ष में टकराव उग्र से उग्रतर हुआ। राज्यसभा में केवल 41.15 घंटे और लोकसभा में 37 घंटे काम हुआ। संवाद एवं सौहाई की कमी दिखी, कई सवाल अधूरे रहे, जिनका जवाब देश जानना चाहता था। यहां दोनों पक्षों से ज्यादा समझदारी, सौहार्द और संतुलित नजरिये की अपेक्षा थी, लेकिन देशहित को दोनों पक्षों ने नेस्तनाबूद किया। यह स्थिति केवल दुखद ही नहीं बल्कि लोकतंत्र के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। लोकसभा के मानसून सत्र के लिए कुल 120 घंटे चर्चा के लिये निर्धारित थे, लेकिन कार्यवाही मात्र 37 घंटे ही चल पाई। यानी 70 प्रतिशत से अधिक समय लोकसभा में और 61 प्रतिशत से ज्यादा समय राज्यसभा में हंगामे और शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया। संसद में बिताया गया प्रत्येक घंटा जनता के करोड़ों रुपये की कमाई से संचालित होता है। जब वही समय व्यर्थ हो जाए तो यह सीधे-सीधे जनता के साथ अन्याय है। गुजरात के एक निर्दलीय सांसद ने यह प्रश्न उठाया भी कि जो सांसद हंगामा कर सदन को ठप कर देते हैं, क्या वे जनता के धन की बरबादी की भरपाई करेंगे? यह प्रश्न केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी गंभीरता की कसौटी भी है। काम कम, हंगामा अधिक-आखिर हमारे राजनीतिक दल एवं जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की मयार्दा एवं आदर्श को तार-तार करने पर क्यों तुले हैं? कैसी विडम्बना है कि लोकसभा की कार्यवाही के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे और इनमें से महज 55 का मौखिक उत्तर मिल सका। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है और आवश्यक भी। विपक्ष का काम ही है सवाल उठाना, सत्ता को जवाबदेह बनाना। लेकिन यह काम हंगामे, नारेबाजी और सदन की कार्यवाही बाधित करने से नहीं हो सकता। संसद संवाद का मंच है, न कि संघर्ष का अखाड़ा। दुर्भाग्य यह है कि आज बहस और तर्क की जगह हंगामे और टकराव ने ले ली है। इससे न तो जनता की समस्याओं पर गंभीर विमर्श हो पाता है और न ही संसद की गरिमा सुरक्षित रह पाती है। सत्र शुरू होने के पहले कार्य मंत्रणा समिति में सरकार और विपक्ष के बीच कुछ मुद्दों पर चर्चा की सहमति बनी थी। लेकिन, सत्र शुरू होने के साथ ही उसे भुला दिया गया। संसदीय परंपरा में विरोध भी अधिकार है, लेकिन इसकी वजह से सदन की गरिमा और उसके कामकाज पर असर पड़ना दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिन्ताजनक है। भारत का हर नागरिक संसद से अपेक्षा करता है कि वहां उसकी समस्याओं पर चर्चा होगी-बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दे प्राथमिकता पाएंगे। लेकिन जब टीवी स्क्रीन पर वह अपने प्रतिनिधियों को मेज थपथपाते, नारे लगाते और वेल में जाकर हंगामा करते देखता है तो उसका विश्वास टूटता है और मन आहत होता है। उसे लगता है कि जिन नेताओं को उसने वोट देकर भेजा था, वे उसके हितों की बजाय केवल राजनीति का खेल खेल रहे हैं। यही कारण है कि आज लोकतंत्र के प्रति आम नागरिक का मोहभंग बढ़ रहा है। वैसे भी यह मानसून सत्र ऐसे वक्त हो रहा था, जब भारत नई चुनौतियों से गुजर रहा है। विदेश और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर हालात तेजी से करवट ले रहे हैं। ऐसे में और भी अहम हो जाता है कि संसद में इस पर सार्थक चर्चा होती और वाद-विवाद से रास्ता निकाला जाता। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन-एसआईआर और ऑपरेशन सिंदूर पर कई सवाल बचे रह गए। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के सजा की स्थिति-यानी जेल में होने पर पद से हटाने वाले संविधान संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखी। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति में केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष भी अक्सर इसमें बराबर का भागीदार होता है। जब कोई दल विपक्ष में होता है तो वह विरोध के लिए हरसंभव कदम उठाता है, और जब वही दल सत्ता में आता है तो संसद की गरिमा की दुहाई देने लगता है। यह दोहरा रवैया लोकतंत्र को कमजोर करता है। संसद को सुचारुरूप से चलाना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों को यह समझना होगा कि वे जनता के सेवक हैं, और जनता उनके कामकाज पर पैनी नजर रखती है। संसद में अनुशासन और मयार्दा बनाए रखने के लिए कठोर नियमों की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद बार-बार हंगामा करता है, सदन की कार्यवाही बाधित करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। आर्थिक दंड एक प्रभावी उपाय हो सकता है। जिस प्रकार एक कर्मचारी को कार्यालय में अनुशासन भंग करने पर वेतन काटा जाता है, उसी प्रकार सांसद का भत्ता और सुविधाएं भी रोकी जानी चाहिए। तभी उन्हें यह समझ आएगा कि संसद खेल का मैदान नहीं बल्कि देशहित का पवित्र मंच है।

कई बार सांसद यह तर्क देते हैं कि यदि उनकी आवाज संसद में नहीं सुनी जाती तो वे मजबूर होकर हंगामा करते हैं। लेकिन यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। संसद में बोलने के लिए पर्याप्त अवसर मिलते हैं, शून्यकाल, प्रश्नकाल, विशेष उल्लेख, स्थायी समितियाँ-ये सभी मंच सांसदों को मुद्दे उठाने का अवसर देते हैं। यदि इन मंचों का सही उपयोग हो तो हंगामे की कोई आवश्यकता नहीं रहती। सड़क की राजनीति और संसद की राजनीति में अंतर होना चाहिए। यदि संसद भी सड़क जैसी दिखने लगे तो लोकतंत्र की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। अब समय आ गया है कि जनता अपने सांसदों से सवाल पूछे। मतदाता केवल जाति, धर्म या दल देखकर वोट न दें, बल्कि यह भी देखें कि उनका प्रतिनिधि संसद में कितना समय उपस्थित रहता है, कितनी बार बोलता है, कितने प्रश्न पूछता है और कितनी गंभीरता से बहस में भाग लेता है। चुनाव आयोग और मीडिया को भी यह आँकड़े मतदाताओं तक पहुँचाने चाहिए। जब मतदाता यह तय करने लगेंगे कि उनका वोट केवल उन नेताओं को जाएगा जो संसद में गंभीरता से काम करते हैं, तभी यह प्रवृत्ति बदलेगी। लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान या संस्थाओं से नहीं, बल्कि उन लोगों से होती है जो उन्हें संचालित करते हैं। यदि सांसद ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। आज आवश्यकता है कि सभी राजनीतिक दल एक साथ बैठकर यह संकल्प लें कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में, वे संसद की गरिमा को आंच नहीं आने देंगे। असहमति और संघर्ष लोकतंत्र का हिस्सा हैं, परंतु वह असहमति तर्क और संवाद से होनी चाहिए, हंगामे और अव्यवस्था से नहीं। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार है। यह जनता की गाढ़ी कमाई की बरबादी है और उनकी उम्मीदों का अपमान भी। यह संसाधनों की बबार्दी एवं जनविश्वास का हनन है। चिंताजनक बात यह है कि संसदीय कार्यवाही का ऐसा अंजाम अब आम हो चुका है। पिछले शीत सत्र में ही लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हुए थे। संसद सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन जब काम नहीं करता, तो जनता की गाढ़ी कमाई के इन रुपयों के साथ देश का बेहद कीमती समय भी जाया हो जाता है। संसद में केवल वही बहसें होनी चाहिए जो देश के भविष्य को दिशा दें, समस्याओं का समाधान निकालें और नीतियों को प्रभावी बनाएँ। यदि संसद ही शोरगुल और हंगामे का अखाड़ा बन जाए तो लोकतंत्र का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। विरोध भी जरूरी है, पर मुद्दों पर और सकारात्मक उद्देश्य के साथ।

भारत और चीनः क्या गुल खिलाएगा संवाद

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

भारत और चीन, एशिया की दो सबसे बड़ी शक्तियां, न केवल भौगोलिक रूप से एक-दूसरे की पड़ोसी हैं, बल्कि वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा संतुलन में भी अहम भूमिका निभाती हैं। इतिहास गवाह है कि इन दोनों देशों के रिश्ते समय-समय पर उतार-चढ़ाव से गुजरते रहे हैं। कभी रिश्ते मित्रता और सहयोग के स्वरूप में दिखे तो कभी सीमा विवाद और तनाव ने इन्हें गहरी खाई में धकेल दिया। हाल के वर्षों में जहां लद्दाख में झड़पों और सीमा पर तनाव ने दोनों के संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया था, वहीं अब पुनः संवाद और सहयोग की संभावनाएं उभरती दिखाई दे रही हैं।

वांग यी की भारत यात्रा, उच्चस्तरीय वार्ताओं की पुनः शुरू आत और कूटनीतिक प्रयासों के कारण प्रतीत हो रहा है कि रिश्तों में नई गरमाहट लौट रही है। परंतु इस गरमाहट के साथझसाथ सतर्कता और विवेक भी उतना ही आवश्यक है। भारतझचीन संबंधों की नींव 1950 के दशक में 'हिन्दी-चीनी भाई-भाई' के नारे के साथ रखी गई थी। परंतु 1962 का युद्ध दोनों देशों के रिश्तों में निर्णायक मोड़ लेकर आया। सीमा विवाद, विशेषकर अक्साई चिन और अरुणाचल प्रदेश को लेकर असहमति, आज भी दोनों देशों के बीच मुख्य विवाद का कारण है। उसके बाद से समय-समय पर रिश्तों में उतार-चढ़ाव आते रहे। 2017 का डोकलाम संकट और 2020 का गलवान संघर्ष इस अविश्वास की पराकाष्ठा थे। दोनों घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि सीमा विवाद अब भी संबंधों का सबसे बड़ा अवरोधक है।

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद 3,488 किमी. लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़ा है। कई दौर की वाताओं और सैन्य समझौतों के बावजूद समाधान अब तक संभव नहीं हो पाया है। हाल ही में हुई वाताओं में सहमति बनी है कि सीमा विवाद को अलग रखते हुए अन्य क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। यह 'टू-ट्रैक मूवमेंट' (दोहरी रणनीति) है, जिसमें सीमा विवाद और द्विपक्षीय संबंध समानांतर रूप से चलेंगे। भारत और चीन के बीच आर्थिक संबंध बेहद जटिल हैं। चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2023-24 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 136 अरब डॉलर तक जा पहुंचा। लेकिन इसमें असंतुलन स्पष्ट है। भारत जहां चीन से भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक सामान, मशीनरी, रसायन और दवाओं का कच्चा माल आयात करता है, वहीं उसका निर्यात अपेक्षाकृत बहुत कम है। इस कारण व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। भारत की चिंता यह भी है कि चीन का प्रभुत्व व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारत के बाजार पर हावी होकर आत्मनिर्भरता और 'मेक इन इंडिया' जैसी योजनाओं को चुनौती देता है। हालांकि, भारतीय आईटी, फार्मा और कृषि क्षेत्र में चीन की बढ़ती मांग भारत के लिए अवसर भी प्रस्तुत करती है। सवाल है कि भारत इस असंतुलन को कैसे कम करेगा और आर्थिक संबंधों को संतुलित एवं परस्पर लाभकारी कैसे बनाएगा।

भारत-चीन संबंधों का एक महत्त्वपूर्ण पहलू सुरक्षा और सामरिक हितों से जुड़ा हुआ है। चीन पाकिस्तान के साथ मिल कर 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति के तहत हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत की घेराबंदी कर रहा है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भारत की संप्रभुता के लिए गंभीर चुनौती है क्योंकि इसका मार्ग पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। चीन की नौसैनिक गतिविधियां भी हिन्द महासागर और दक्षिण एशिया में भारत की सुरक्षा चिंताओं को और गहरा करती हैं। यही कारण है कि भारत अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिल कर क्वाड समूह को

मजबूत कर रहा है। भारतझचीन संबंध द्विपक्षीय दायरे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक सामरिक संतुलन से भी गहराई से जुड़े हैं। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच हुई मुलाकातें, चाहे 2019 का महाबलीपुरम शिखर सम्मेलन हो या हाल में वांग यी की यात्रा, दशार्ती हैं कि संवाद ही आगे का रास्ता है।

दोनों देशों ने तय किया है कि सीमा प्रबंधन के तंत्र को मजबूत किया जाए और सैनिक तनाव को कम करने के लिए नियमित वार्ता और हॉटलाइन का इस्तेमाल किया जाए। पर्यटन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, शिक्षा और खेल जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जाए। 'पीपुल-टू-पीपुल कॉन्टैक्ट' दोनों के बीच विश्वास बहाली का प्रभावी साधन हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

अंतरिक्ष में गुप्त मुहिम पर रवाना हुआ अमेरिकी शटल

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष में गोपनीय प्रयोग करने के लिए एक और अमेरिकी सैन्य 'मिनी शटल' प्रक्षेपित किया गया। स्पेसएक्स द्वारा भेजे गए इस अंतरिक्ष यान ने फ्लोरिडा के केप कैनावेरल से अकेले ही उड़ान भरी। अमेरिकी अंतरिक्ष बल के अनुसार, यह बिना जीपीएस के लेजर संचार और सुरक्षित नौवहन का परीक्षण करेगा। अभी स्पष्ट नहीं है कि यह मिनी शटल कब तक अंतरिक्ष में रहेगा। आखिरी एक्स-37बी यान मार्च में जमीन पर लौटने से पहले लगभग एक साल तक पृथ्वी की परिक्रमा करता रहा था।

ट्रंप के 34 शहरों की फंडिंग काटने के फैसले पर जज ने लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन के बोस्टन, शिकागो, डेनवर, लॉस एंजिलिस जैसे 34 शहरों और काउंटी की फंडिंग काटने के फैसले पर रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन ने संघीय आव्रजन प्रयासों में सहयोग न करने की नीतियों के चलते इन शहरों को मिलने वाली संघीय फंडिंग में कटौती का एलान किया था। सैन फ्रांसिस्को में अमेरिकी जिला न्यायाधीश विलियम ऑरिक ने यह आदेश दिया। जज ने अपने पहले के आदेश में सैन फ्रांसिस्को, पोर्टलैंड और सिएटल सहित एक दर्जन से अधिक अन्य शहरों और काउंटियों को संरक्षण प्रदान किया था।

ट्रंप ने फिर अलापा भारत-पाकिस्तान सीजफायर कराने का राग

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध पर एक सवाल पूछे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, टैंगो के लिए दो लोगों की ज़रूरत होती है। मैं उन दोनों (पुतिन-जेलेंस्की) के साथ एक बैठक करना चाहता था... लेकिन कई लोगों को लगता है कि उस बैठक से कुछ नहीं होगा... इसी के साथ ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम में भूमिका निभाने का दावा किया। उन्होंने कहा, हमने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध की संभावना को खत्म कर दिया है... मैंने सभी समस्याओं का समाधान कर दिया है...। दो हफ्ते बाद हमें पता चल जाएगा कि वे किस तरफ जा रहे हैं।

इस्राइल पर सख्त कदम न उठा पाने पर डच विदेश मंत्री का इस्तीफा, सरकार में मचा हड़कंप

एम्स्टर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड के विदेश मंत्री कास्पर वेल्डकैंप ने शुक्रवार शाम अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि वे गाजा युद्ध को लेकर इस्राइल पर नए प्रतिबंध लगाने में नाकाम रहे। वेल्डकैंप ने संसद को पहले ही जानकारी दी थी कि वे इस्राइल के गाजा सिटी और अन्य घनी आबादी वाले इलाकों में सैन्य कार्रवाई के जवाब में कुछ कड़े कदम उठाना चाहते हैं। लेकिन उन्हें अपने गठबंधन दलों का समर्थन नहीं मिला, जिसके कारण वे प्रस्ताव लागू नहीं कर सके। एक समय में इस्राइल में राजदूत रहे 61 वर्षीय राजदूत वेल्डकैंप ने कहा कि मैं खुद वो नीति लागू नहीं कर पा रहा हूं, जिसे मैं ज़रूरी मानता हूं, इसलिए इस्तीफा देना ही उचित है।

कोस्टा रिका के इतिहास में पहली बार, भ्रष्टाचार के आरोपों में मौजूदा राष्ट्रपति खुद पेश हुए

सैन जोस, एजेंसी। कोस्टा रिका में पहली बार ऐसा हुआ है जब किसी मौजूदा राष्ट्रपति ने खुद पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सांसदों के सामने जाकर अपना बचाव किया है। राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस शुक्रवार को संसद की एक विशेष समिति के सामने पेश हुए, जो यह तय कर रही है कि उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए उनकी इम्युनिटी (संवैधानिक छूट) हटाई जाए या नहीं। बता दें कि देश के अटॉर्नी जनरल और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने मांग की है कि चावेस की इम्युनिटी हटाई जाए ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके। उनका आरोप है कि राष्ट्रपति चावेस ने एक प्रोड्यूसर पर दबाव डाला कि वह सेंट्रल अमेरिकन बैंक फॉर इकोनॉमिक इंटीग्रेशन से मिले कॉन्ट्रैक्ट का कुछ हिस्सा उनके पूर्व चुनाव सलाहकार को दे। चावेस ने सभी आरोपों से इनकार किया और कहा कि यह सब एक राजनीतिक बदले की साजिश है। उन्होंने कहा कि देश में कई भ्रष्टाचार के मामले वर्षों से लंबित हैं और ड्रग माफिया भी बिना सजा के छूट जाते हैं, लेकिन उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

सीमा पर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर गोलीबारी

दक्षिण कोरिया पर लगा तनाव बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप

सियोल, एजेंसी। उत्तर और दक्षिण कोरिया की सीमा पर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर गोलीबारी हुई। उत्तर कोरिया का आरोप है कि जब हमारे सैनिक सीमा पर बैरियर लगा रहे थे तो दक्षिण कोरिया के सैनिकों ने गोलियां चलाईं। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर तनाव बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उत्तर कोरियाई पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख को जोंग चोल ने कहा कि गोलीबारी दक्षिण कोरिया-अमेरिका के ग्रीष्मकालीन सैन्य अभ्यास के साथ हुई है। उत्तर कोरिया की आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख को ने कहा कि उत्तर कोरियाई सैनिक कोरियाई देशों के बीच क्षेत्र को पूरी तरह से अलग करने के लिए दक्षिणी सीमा को स्थायी रूप से अवरुद्ध कर रहे हैं। इस परियोजना के तहत सीमा पर काम चल रहा है। तभी दक्षिण कोरिया ने एक ऑडियो चेतावनी और चेतावनी गोलीबारी के साथ जवाब दिया।

को ने कहा कि उत्तर कोरिया ने आकस्मिक झड़पों को रोकने के लिए 25 जून और 18 जुलाई को सीमा पर कार्य करने की अपनी योजना के बारे में दक्षिण में अमेरिकी सेना को सूचित कर दिया है। दक्षिणी सीमा प्रबंधन और सुरक्षा के लिए जिम्मेदार कमांडिंग अधिकारी के रूप में मैं मांग करता हूं कि दक्षिण कोरिया इस खतरनाक उकसावे को तुरंत रोके। इसका

उद्देश्य दक्षिणी सीमा पर किलेबंदी परियोजना को तनाव बढ़ाने का बहाना बनाना है, जो हमारी संप्रभुता की रक्षा के लिए आवश्यक है।

दक्षिण कोरिया का जवाब

दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ ने पुष्टि की कि उन्होंने मंगलवार दोपहर उत्तर कोरियाई सैनिकों पर चेतावनी स्वरूप गोलियां चलाईं, क्योंकि वे कुछ समय के लिए मध्य सीमा क्षेत्र में सैन्य सीमांकन रेखा को पार कर गए थे। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि सैनिक बिना किसी घटना के उत्तर कोरियाई क्षेत्र में लौट आये। उत्तर कोरिया ने भी जवाबी गोलीबारी नहीं की।हाल के महीनों में दक्षिण कोरिया की सेना ने कभी-कभी सैन्य सीमांकन रेखा पार करने वाले उत्तर कोरियाई सैनिकों को पीछे हटाने के लिए लाउडस्पीकर से चेतावनी दी है और गोलियां भी चलाई हैं। उत्तर कोरियाई सैनिक बढ़ते तनाव के बीच सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए टैंक रोधी बैरियरों का निर्माण कर रहे थे। बारूदी सुरंगें बिछा रहे थे और अन्य कार्य कर रहे थे।

बढ़ रही दुश्मनी

कोरियाई देशों के बीच दुश्मनी अब चरम पर है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन अपनी सैन्य परमाणु क्षमताओं का प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को लेकर रूस के साथ खड़े हैं।

वहीं पिछले साल किम ने एलान किया था कि उत्तर कोरिया दोनों कोरियाओं के बीच शांतिपूर्ण एकीकरण के अपने लक्ष्य को छोड़ रहा है और दक्षिण कोरिया को एक स्थायी दुश्मन मान रहा है। उन्होंने उत्तर कोरिया के संविधान को फिर से लिखने का आदेश दिया था। किम सरकार ने दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यांग के कूटनीतिक प्रस्तावों को खारिज कर दिया है। म्युंग ने कहा था कि सीमा पर तनाव को कम करने के लिए दक्षिण कोरिया 2018 के अंतर-कोरियाई सैन्य समझौते को बहाल करने का प्रयास करेगा। उन्होंने उत्तर कोरिया से विश्वास का पुनर्निर्माण करने और बातचीत को फिर से शुरू करने का आग्रह किया था।

न्यूयॉर्क में टूरिस्ट बस पलटी, 5 की मौत:बस में भारतीय भी थे, ड्राइवर के कंट्रोल खोने से हुआ हादसा

अल्बानी, एजेंसी। न्यूयॉर्क में शुक्रवार को नायग्रा फॉल्स से न्यूयॉर्क सिटी जा रही एक टूरिस्ट बस पलट गई, जिससे 5 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के मेजर आंद्रे रे ने मीडिया को बताया कि बस के ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया जिससे बस पलट गई। यह हादसा स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:30 बजे हुआ। बस में 54 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी, जिससे हादसे के समय खिड़कियां टूटने से कई यात्री बस से बाहर गिर गए।

बस में ज्यादातर यात्री भारत, चीन और फिलिपींस के : न्यूयॉर्क स्टेट पुलिस के प्रवक्ता ट्रूपर जेम्स ओ'कालाघन ने बताया, बस में बच्चे भी थे। अधिकांश यात्री भारत, चीन और फिलिपींस मूल के थे। घायलों को हेलिकॉप्टर और एम्बुलेंस से बफैलो के एरी काउंटी मेडिकल सेंटर और आसपास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। दोपहर 2:10 बजे तक कम से कम आठ मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ओ'कालाघन ने कहा, यह एक बड़ी पर्यटक बस थी, जिसमें भारी नुकसान हुआ।

न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने एक्स पर लिखा कि उन्हें इस दुखद दुर्घटना के बारे में जानकारी दी गई है और उनका कार्यालय, पुलिस और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। एक चश्मदीद, मदीना के पॉवेल स्टीफंस ने बताया कि सड़क पर टूटी खिड़कियां, बिखरा सामान और मलबा था। हादसे के कारण रोड बंद कर दी गई। ड्राइवरों को इस इलाके से न गुजरे की सलाह दी गई। बचाव कार्य अभी भी जारी है।

मस्क-ट्रम्प को लड़वाया, अब भारत में अमेरिकी राजदूत बने सर्जियो

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। राष्ट्रपति ट्रम्प ने सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत नियुक्त किया है। उन्हें शुक्रवार को दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। सर्जियो गोर को मस्क और ट्रम्प के बीच लड़ाई शुरू कराने वाला माना जाता है। मस्क ने नाराज होकर गोर को 'सांप' तक कह दिया था। सर्जियो लंबे समय से ट्रम्प परिवार के भरोसमंद रहे हैं।

पहले उनका काम ट्रम्प से जुड़े कार्यक्रमों को देखना था। वे यह भी देखते रहे हैं कि ट्रम्प से कौन मिल सकता है और कौन नहीं। इसलिए अमेरिकी मीडिया उन्हें ट्रम्प का 'गेटकीपर' भी कहती है। यानी कि ऐसा शख्स जो ट्रम्प तक पहुंचने के रास्ते पर पहरेदार की तरह खड़ा है।

गोर को नई जिम्मेदारी मिलने को लेकर राष्ट्रपति ट्रम्प ने खुशी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- ट्रम्प की अमेरिकी फर्स्ट नीति के समर्थक हैं गोर । गोर ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रम्प के लिए फंड जुटाने में भी बड़ी भूमिका निभाई है। गोर ट्रम्प के खास माने जाते हैं। गोर ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के कट्टर समर्थक हैं। साथ ही उन्होंने ट्रम्प प्रशासन में ऑफिसर्स की नियुक्ति करने में भी योगदान दिया है।

माना जा रहा है कि गोर भारत में अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा

सकते हैं। इनकी नियुक्ति को ट्रम्प प्रशासन की रणनीति से जोड़ा जा रहा है, जिसके तहत ट्रम्प अपने करीबियों को अहम कूटनीतिक पदों पर बिठाकर अपनी ताकत को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। सर्जियो गोर पहली बार अमेरिकी राजनीति और मीडिया में 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान चर्चा में आए थे। ट्रम्प ने उन्हें कैंपेन एडवाइजर बनाया था। बाद में वे ट्रम्प के पर्सनल चीफ बने। तब गोर की जिम्मेदारी थी कि अगर ट्रम्प जीतते हैं तो नए प्रशासन में किसे-किसे नियुक्त किया जाए। यानी उनका काम था हजोरों पदों के लिए नाम चुनना और यह जांचना कि उनकी ट्रम्प में कितनी निष्ठा है।

जैसे ही गोर को यह जिम्मेदारी मिली अमेरिकी और यूरोपीय मीडिया ने उनकी 'जन्मकुंडली' खंगालनी शुरू की। तब पता चला कि उनका असली नाम सर्जियो गोरोखोव्सकी है। उनका जन्म 1986 में ताशकंद, उज्बेकिस्तान में हुआ था, यह तब सोवियत संघ का हिस्सा था। हैरानी की बात ये थी कि गोर हमेशा दावा करते आए हैं कि वे माल्टा (यूरोपीय देश) में जन्मे हैं। जब इस मामले ने तूल पकड़ा तो माल्टा सरकार खुद एक्शन में आई और कहा कि उनके पास गोर के जन्म का कोई रिकॉर्ड नहीं है।

इसके बाद गोर की जन्म से जुड़े ताशकंद वाले रिकॉर्ड सामने आ गए। तब गोर ने पहली बार माना कि वे माल्टा में पैदा नहीं हुए थे। उनके वकील रोबर्ट गार्सन ने मीडिया को बताया कि सर्जियो गोर का जन्म ताशकंद में हुआ था, लेकिन वह कुछ ही समय बाद माल्टा आ गए थे। उनकी पढ़ाई वहीं से हुई है इसलिए अपनी पहचान माल्टा से बताते हैं।

मार्च में व्हाइट हाउस की एक कैबिनेट मीटिंग के दौरान मस्क और गोर के बीच बहस हो गई थी। मस्क ने कहा था कि गोर जिस तरह से लोगों को व्हाइट हाउस में नौकरी पर ला रहे हैं, वह ठीक नहीं है। यह बात सुनकर गोर नाराज हो गए और उन्होंने गुस्से में कहा कि वे मस्क से बदला लेंगे। इसके बाद मस्क ने साफ कह दिया कि वह गोर के साथ व्हाइट हाउस में काम नहीं करेंगे। इसके बाद 30 मई को मस्क ने अपने बनाए डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी से इस्तीफा दे दिया।

राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच टकराव सही नहीं है, हम इससे चिंतित हैं: पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत पर 50 फीसदी लगाने और बिगड़ते रिश्ते पर एक और पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लताड़ लगाई है। ओबामा प्रशासन में विदेश मंत्री रहे जॉन केरी ने कहा कि किसी कूटनीतिक प्रयास के बिना अल्टीमेटम देना कोई महानता नहीं है। भारत और अमेरिका के संबंधों में तनाव बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

केरी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच टकराव सही नहीं है। हम इससे चिंतित हैं। बड़े राष्ट्र हमेशा लोगों को अल्टीमेटम देकर महानता प्रदर्शित नहीं करते हैं। बल्कि कूटनीतिक प्रयासों के जरिये काम करते हैं। ताकि आम सहमति बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि ओबामा शासन के दौरान बातचीत सहयोग और सम्मान के साथ होती थी। लेकिन अब कुछ ज्यादा ही आदेश, दबाव और धक्का-मुक्की हो रही है।

केरी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत और अमेरिका मिलकर व्यापार विवाद सुलझा लेंगे। भारत ने स्पष्ट रूप से बेहतर पेशकश की है। पीएम मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल हमारे मित्र हैं। भारत ने कई अमेरिकी आयातों पर शून्य पेशकश की है, यह एक बड़ा

बदलाव है।

ये अधिकारी भी जता चुके चिंता

इससे पहले व्हाइट हाउस के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी जॉन बोल्टन ने कहा था कि ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने पर भारत पर टैरिफ लगाए, लेकिन चीन पर नहीं लगाए जो रूस से काफी ज्यादा तेल खरीदता है, तो इससे भारत को शायद चीन-रूस के गठबंधन की ओर धकेल दिया गया। ट्रंप प्रशासन की यह रणनीतिक चूक अनावश्यक गलती है। अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ और पूर्व अमेरिकी व्यापार अधिकारी क्रिस्टोफर पैडिला ने भी चेतावनी दी थी कि टैरिफ से भारत-अमेरिका संबंधों को नुकसान पहुंचने का खतरा हो सकता है। उन्हें डर था कि इससे बाद में यह सवाल उठ सकता है कि क्या अमेरिका एक विश्वसनीय साझेदार है, क्योंकि ये टैरिफ हमेशा के लिए याद रह जाएंगे।

अमेरिकी अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स ने भी भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ट्रंप के कदम की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ब्रिक्स के महान एकीकरणकर्ता हैं। उन्होंने टैरिफ को अमेरिकी विदेश नीति में सबसे मूर्खतापूर्ण रणनीतिक कदम कहा।

लीबिया में मालिक ने मजदूर पर छोड़ा खूंखार शेर

त्रिपोली, एजेंसी। उत्तरी अफ्रीकी देश लीबिया में हाल ही में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक खेत मालिक ने अपने पालतू शेर को एक मिस्री मज़दूर पर छोड़ दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद लीबिया और मिस्र के लोग गुस्से से भड़क उठे। आरोपी मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। 30 सेकंड के इस वायरल वीडियो में एक शेर को एक व्यक्ति पर हमला करते देखा जा सकता है। इस दौरान शेर कई बार उस व्यक्ति को काटने की कोशिश करता है, लेकिन वह शांत रहकर खुद को बचाने की कोशिश करता रहता है। बताया जा रहा है कि कुछ देर तक चली जद्दोजहद के बाद, व्यक्ति ने किसी तरह खुद को शेर के चंगुल से बचाया।

मलिका ने कहा- यह एक शरारत थी

गल्फ न्यूज़ की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी खेत मालिक ने इस घटना को शरारत बताया, लेकिन सरकारी वकील ने इसे सत्ता का गंभीर दुरुपयोग और जन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है।

तुरंत सज़ा की मांग उठी

सोशल मीडिया पर इस वीडियो के आते ही नेटिज़न्स गुस्से से भर गए। एक यूज़र ने इसे मानव जीवन के साथ खिलवाड़ बताया और आरोपी को तुरंत सज़ा देने की मांग की। वहीं, कई लोगों ने शेर के हमले के बावजूद मज़दूर के शांत रहने पर आश्चर्य जताया, लेकिन यह भी कहा कि स्थिति कभी भी ख़तरनाक हो सकती थी।

खेत मालिक पर कई गंभीर आरोप

पुलिस ने खेत मालिक पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं, जिनमें मानव जीवन को ख़तरे में डालना, दहशत फैलाना और मनोवैज्ञानिक व सामाजिक नुकसान पहुँचाना शामिल है। उन पर धार्मिक और नागरिक क़ानूनों का उल्लंघन करने का भी आरोप है।

ईरान के हमले पर रिपोर्ट से नाराज थे ट्रंप, रक्षा मंत्री ने खुफिया अफसर जेफरी को बर्खास्त किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस को बर्खास्त कर दिया है। क्योंकि उनकी एजेंसी के अमेरिकी हमलों से ईरान के परमाणु ठिकानों को हुए नुकसान के शुरुआती खुफिया आकलन से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाराज थे। पीट हेगसेथ के इस फैसले से परिचित दो लोगों ने इस संबंध में जानकारी दी।

हेगसेथ द्वारा बर्खास्त करने के बाद अब क्रूस अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी के प्रमुख नहीं रहेंगे। दोनों लोगों ने यह जानकारी नाम न छापने की शर्त पर दी, क्योंकि उन्हें इस बारे में सार्वजनिक रूप से बोलने का अधिकार नहीं था। क्रूस की ओर से ईरान पर परमाणु हमलों के बाद कहा गया था कि तेहरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। जबकि राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप कह रहे थे कि हमलों से ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह से तबाह हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि क्रूस अब अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) के निदेशक के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे। डीआईए के निदेशक बनने से पहले क्रूस राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के सैन्य मामलों के सलाहकार रह चुके हैं। उन्होंने इस्लामिक स्टेट जिहादी समूह के खिलाफ गठबंधन के लिए खुफिया निदेशक, अमेरिकी यूरोपीय कमान के प्रमुख के वरिष्ठ विशेष सलाहकार जैसे पदों पर भी काम किया है।डीआईए की रिपोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर सवाल खड़े किए थे। इसे लेकर रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा था कि रिपोर्ट जानबूझकर लीक की गई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि हमला सफल नहीं हुआ है। ट्रंप जनवरी में कार्यभार संभालने के बाद से अब तक कई शीर्ष सैन्य अधिकारियों को बर्खास्त कर चुके हैं। इसमें ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल चार्ल्स सीक्यू ब्राउन समेत नौसेना और तटरक्षक बल के प्रमुख, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख जनरल, वायु सेना के उप-प्रमुख, नाटो में नियुक्त नौसेना के एडमिरल और तीन शीर्ष सैन्य वकील शामिल हैं। हाल ही में सेना के चीफ ऑफ स्टाफ ने भी बिना किसी स्पष्टीकरण के अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा कर दी।

बांग्लादेश में मीडिया पर शिकंजा: हसीना के बयानों को प्रसारित न करने की चेतावनी, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को मीडिया संस्थानों को अवामी लीग की नेता व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के किसी भी बयान का प्रसारण या प्रकाशन न करने की चेतावनी दी है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस विंग ने कहा, हम हसीना की बातों और बयानों को फैलाने वाले और भविष्य में ऐसा करने की मंशा रखने वाले मीडिया को चेता रहे हैं कि हम उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने कहा, टेलीविजन चैनलों, समाचार और ऑनलाइन पोर्टलों पर हसीना के ऑडियो चलाना आतंकवाद विरोधी कानून 2009 का उल्लंघन है। इसमें हसीना को एक दोषी अपराधी व सामूहिक हत्याओं और मानवता के खिलाफ अपराधों का भगोड़ा आरोपी बताया गया है। हसीना को को पांच अगस्त 2024 को सड़क आंदोलनों के बाद सत्ता से हटाया गया था। वे इस समय अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में कई केस का सामना कर रही हैं, हालांकि अभी सजा नहीं हुई है।

पिछले साल अवामी लीग की गिर गई थी सरकार : गौरतलब है कि बीते साल जुलाई 2024 में हुए जनविद्रोह के बाद शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इस जनविद्रोह में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया था। अंततः 5 अगस्त 2024 को हसीना सरकार गिर गई और वह भारत चली गई।

इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने देश में लोकतांत्रिक माहौल बहाल करने का वादा किया था। पिछले कई महीनों से बांग्लादेश में राजनीतिक दल नए सिरे से आम चुनाव कराने की मांग कर रहे थे।

मुहम्मद यूनुस ने फरवरी 2026 में चुनाव की घोषणा की : बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने घोषणा की थी कि देश में फरवरी 2026 में आम चुनाव होंगे। यह घोषणा 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर की गई थी।

चेतेश्वर पुजारा को संन्यास पर भारतीय क्रिकेटरों ने दी बधाई, 'तूफान के दौरान वह डटे रहे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर और पूर्व भारतीय क्रिकेटरों ने रविवार को चेतेश्वर पुजारा को भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा पर बधाई दी। पुजारा टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए आठवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने अपने करियर में 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत से 7195 रन बनाए जिसमें 19 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वोच्च स्कोर 206* रहा।

गंभीर ने अपने एक्स पर लिखा, 'तूफान के दौरान वह डटे रहे, उम्मीदें खत्म होने पर उन्होंने संघर्ष किया। बधाई हो, पुजारी।' चेतेश्वर पुजारा ने 9 अक्टूबर 2010 को बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। उन्हें 2018/19 और 2020/21 में ऑस्ट्रेलिया में भारत की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत के लिए सबसे ज्यादा याद किया जाता है। उन्होंने अपने मजबूत डिफेंस और तकनीक से ऑस्ट्रेलिया को परेशान किया था।

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने पुजारा के इस शानदार टेस्ट करियर की सराहना करते हुए कहा, 'शानदार टेस्ट करियर के लिए बधाई चेतेश्वर पुजारा आपका धैर्य, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत प्रेरणादायक थी और आपने जो हासिल किया है उस पर आपको बहुत गर्व हो सकता है। एक यादगार दूसरी पारी के लिए शुभकामनाएं।'

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, 'कोई ऐसा व्यक्ति जिसने हमेशा देश के लिए अपना मन, शरीर और आत्मा लगा दी! एक शानदार करियर के लिए बहुत-बहुत बधाई, पुजी! आपसे दूसरी तरफ मिलते हैं!'

2018/18 बीजीटी में भारतीय लाल गेंद के दिग्गज ने चार मैचों में 74.42 की औसत, 3 शतक और एक अर्धशतक के साथ 521 रन बनाए। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 193 रन रहा। 2020-21 सीरीज में उन्होंने चार मैचों में 33.87 की औसत से 271 रन बनाए जिसमें तीन अर्धशतक और 77 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल था। गाबा में खेले गए अंतिम टेस्ट में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों के कई प्रहार झेले, जिससे यह जीत और भी यादगार बन गई।

अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'एक शानदार करियर चेतेश्वर पुजारा आपने जो हासिल किया, उस पर आपको बहुत गर्व होना चाहिए और आपको दूसरी पारी की हार्दिक शुभकामनाएं।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने पुजारा के शानदार करियर के लिए उन्हें नमन किया। जाफर ने एक पोस्ट में लिखा, 'अपने नाम के पहले, अपनी तरह के आखिरी चेतेश्वर पुजारा, शानदार करियर के लिए नमन। भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए आपने जो हासिल किया, उस पर आपको बहुत गर्व होना चाहिए। बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं।'

पूर्व भारतीय बल्लेबाज सुरेश रैना ने भी पुजारा को बधाई दी। रैना ने एक पोस्ट में लिखा, 'शानदार करियर के लिए बधाई भाई चेतेश्वर पुजारा आपको और आपके परिवार को शुभकामनाएं।'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा चेतेश्वर पुजारा घरेलू क्रिकेट में एक दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने 278 प्रथम श्रेणी मैचों में 51.82 की औसत से 21301 रन बनाए हैं। लाल गेंद के इस अनुभवी खिलाड़ी ने अपने प्रथम श्रेणी करियर में 66 शतक और 81 अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 352 रन रहा है।

ट्रैविस हेड और मिशेल मार्श ने रचा इतिहास, द. अफ्रीका के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग साझेदारी की

मैके (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में आखिरकार अपनी लय पकड़ ली। ट्रैविस हेड और मिशेल मार्श ने सलामी जोड़ी के रूप में 250 रन जोड़कर इतिहास रच दिया।

मार्श और हेड ने मैके में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में यह उपलब्धि हासिल की। ??दोनों ने पहले विकेट के लिए 250 रनों की शानदार साझेदारी की, जो ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक रिकॉर्ड से बस 34 रनों से दूर थी। यह वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की ओर से पांचवीं सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी है और यह पहली ऐसी साझेदारी है जिसमें डेविड वार्नर शामिल नहीं हैं। 2017 में वार्नर और ट्रैविस हेड ने पाकिस्तान के खिलाफ एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया के लिए पहले विकेट के लिए 284 रन बनाए थे।

हेड 103 गेंदों पर 142 रन बनाकर आउट हुए जबकि उनके जोड़ीदार और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मार्श 106 गेंदों पर 100 रन बनाकर आउट हुए। हेड ने अपनी पारी के दौरान 8000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए। हेड ने 177 मैचों में 40.73 की औसत और 85.87 के स्ट्राइक रेट से 8024 रन बनाए हैं, जिसमें सभी प्रारूपों में 12 शतक और 42 अर्द्धशतक शामिल हैं। दूसरी ओर, मार्श ने 96 मैचों में 37.03 की औसत से 3000 वनडे रन पूरे किए।

इन दोनों के आउट होने के बाद भी धमाकेदार प्रदर्शन जारी रहा क्योंकि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे में दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा। यह शतक ग्लेन मैक्सवेल द्वारा 2023 विश्व कप में नीदरलैंड के खिलाफ 40 गेंदों में बनाए गए शतक के बाद बनाया गया है। ग्रीन ने तिहरे अंक तक पहुंचने के लिए 47 गेंदें लीं। वह ऑस्ट्रेलियाई पारी के अंत तक क्रीज पर नाबाद रहे और उन्होंने सिर्फ 55 गेंदों में छह चौकों और आठ छक्कों की मदद से 118 रन बनाए। विकेटकीपर/बल्लेबाज एलेक्स कैरी के साथ उनकी 164* रनों की साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 431/2 का स्कोर बनाया, जो वनडे इतिहास का उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

धोनी ने 2007 के बाद विकेटकीपिंग का अभ्यास क्यों बंद किया, पूर्व भारतीय फील्डिंग कोच का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी विकेटकीपिंग का अभ्यास नहीं करते थे

और ऐसा उन्होंने 2007 के बाद से करना शुरू किया था। अगस्त 2014 से नवंबर 2021 तक भारत के फील्डिंग कोच रहे आर श्रीधर ने इस बात का खुलासा किया है।

श्रीधर ने बताया, 'एमएस धोनी ने 8 या 9 साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद विकेटकीपिंग का अभ्यास नहीं किया। जब वह बड़े हो रहे थे और 2007 या 2005 से पहले उन्होंने अपनी कोई खास पहचान नहीं बनाई थी, तब उन्होंने अपने विकेटकीपिंग कौशल पर काफी काम किया। उनकी अपनी एक बहुत अच्छी तकनीक थी। यह बहुत कारगर थी, और उन्होंने इसका खूब अभ्यास भी किया था।'

इस प्रतिष्ठित कोच ने बताया कि धोनी ने खुद इस बात को स्वीकार किया है। हालांकि ऐसा नहीं था कि उन्होंने बिल्कुल भी अभ्यास नहीं किया। वह नियमित रूप से प्रतिक्रिया अभ्यास करते थे जिसका मतलब था कि वह हर समय स्टंप के पीछे, खासकर स्पिनरों के सामने, चुस्त-दुरुस्त रहते थे।

श्रीधर ने आगे कहा, 'उन्होंने खुद स्वीकार किया कि एक बार जब उन्होंने भारत के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना शुरू किया, तो काम का बोझ इतना ज्यादा था कि उन्हें ज्यादा अभ्यास करने की जरूरत नहीं थी, क्योंकि उनकी उंगलियां चोटिल हो रही थीं। तभी उन्होंने बड़ी ही चतुराई से विकेटकीपर के रूप में अपना काम का बोझ कम कर दिया। इसके बजाय, उन्होंने कुछ प्रतिक्रिया अभ्यास किए, जिससे वह चुस्त-दुरुस्त रहे और उनके दस्तानों की गति बिजली की तरह तेज़ रही। अभ्यास न करना' सही शब्द नहीं है, लेकिन उन्होंने इसे कम कर दिया क्योंकि उन्हें पता था कि काम का बोझ बहुत ज्यादा है।'

कूपर कोनोली ने 5 विकेट लेकर तोड़ा 38 साल पुराना रिकॉर्ड, दक्षिण अफ्रीका की करारी हार

मैके (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। वियान मुल्डर और दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को मैके में हुए अंतिम वनडे में दक्षिण अफ्रीका की बेरहमी से करारी शिकस्त के बाद एक नया निम्नतम स्तर छुआ जबकि ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली ने नई ऊंचाइयों को छुआ। दक्षिण अफ्रीका के हाथों 2-0 की अजेय बढ़त गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में मेहमान टीम को कोई रियायत नहीं दी। कप्तान मिशेल मार्श और आक्रामक बल्लेबाज ट्रैविस हेड से दूर रही यह शानदार पारी तीसरे वनडे में लौट आई।

ऑस्ट्रेलिया ने 431/2 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। कोनोली ने अपने शानदार 5 विकेटों से दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने अपनी बाएं हाथ की पारंपरिक स्पिन गेंदों से मध्य क्रम को तहस-नहस कर दिया। 22 साल और दो दिन बाद कॉनॉली ऑस्ट्रेलिया के लिए 5 विकेट लेने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उन्होंने क्रेग मैकडरमॉट का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 1987 में पाकिस्तान के खिलाफ 22 साल 204 दिन की उम्र में यह रिकॉर्ड बनाया था।

कॉनॉली की गेंदबाजी के जादू ने दक्षिण अफ्रीका को झकझोर कर रख दिया और अंततः 276 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जो रनों के लिहाज से उनकी सबसे बड़ी हार का अंतर था। कॉनॉली ने 6 ओवरों में 22 रन देकर 5 विकेट लिए और ऑस्ट्रेलिया ने सांत्वना जीत का जश्न मनाया।

पहली पारी में मार्श (100) और हेड (142) ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद मैके में तेज धूप खिली। सीरीज का रुख पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के पक्ष में था और इस विस्फोटक जोड़ी ने यह सुनिश्चित किया कि यह साझेदारी बरकरार रहे। सलामी जोड़ी ने 250 रनों की साझेदारी करके आंकड़ा बढ़ाया, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए इस प्रारूप में पांचवीं सबसे बड़ी साझेदारी थी। कैमरून ग्रीन भी इस टीम में शामिल हुए उन्होंने जी-जान से खेला और इस धमाकेदार पारी में अपना योगदान दिया।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए इस प्रारूप में दूसरा सबसे तेज शतक जड़ने में मात्र 47 गेंदें लीं। एलेक्स कैरी ने अपनी बाउंड्री लगाने की क्षमता का प्रदर्शन किया और 37 गेंदों में 50* रनों की तेज़ पारी खेली। शीर्ष तीन बल्लेबाजों ने शतक जड़े और 50 ओवर के प्रारूप में यह ऐसा दूसरा मौका था, इससे पहले 2015 में जोहान्सबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन किया था।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी विनाशकारी रणनीति अपनाई, मुल्डर आदर्श बल्लेबाज बनकर उभरे। मुल्डर, जिन्होंने पिछले महीने ज़म्बिाब्वे के खिलाफ ब्रायन लारा के 400 रनों के यादगार शतक को न खेलने के अपने फैसले के लिए सुर्खियां बटोरीं, ने अपने सात ओवर के स्पेल में 13.30 की औसत से 93 रन लुटाए। मुल्डर की इकॉनमी उन खिलाड़ियों में दूसरी सबसे खराब है जिन्होंने वनडे में कम से कम छह ओवर फेंके हैं। वह आयरलैंड के केविन ओ%ब्रायन के 13.57 के औसत से पीछे हैं, जो उन्होंने 2015 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हासिल किया था।

राशिद की कप्तानी में एशिया कप में उतरेगी अफगानिस्तान टीम

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने अगले माह होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए अपनी 17सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इसकी कप्तानी दिग्गज ऑलराउंडर राशिद खान को दी गयी है। टीम में कई युवा खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही 3 खिलाड़ियों को रिजर्व के तौर पर रखा गया है। यूएई में स्पिनरों को मिलने वाली सहायता को देखते हुए टीम में कप्तान सहित छ स्पिनर रखे गये हैं। टीम में राशिद के अलावा मोहम्मद नबी, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद और शराफुद्दीन अशरफ का नाम शामिल है। इसके अलावा रिजर्व खिलाड़ियों में भी एक स्पिनर शामिल है। इस प्रकार देखा जाये तो टीम इस बार स्पिन गेंदबाजी के बल पर शीर्ष टीमों को टक्कर देना चाहती है।

टीम इस प्रकार है– राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, मुजीब उर रहमान, अल्लाह गजनफर, नूर अहमद, फरीद अहमद मलिक, नवीन उल हक और फजलहक फारूकी

रिजर्व प्लेयर्स : वफीउल्लाह तारखिल, नांग्याल खरोटे और अब्दुल्ला अहमदजई

बीसीसीआई उपाध्यक्ष बोले, रोहित और विराट अभी एकदिवसीय खेलेंगे, दोनो ही अभी पूरी तरह से फिट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अभी एकदिवसीय क्रिकेट खेलते रहेंगे और इनके संन्यास की जो भी अटकलें लगायी जा रही हैं। वह पूरी तरह से गलत हैं। शुक्ला के इस बयान से कोहली और रोहित के संन्यास की अटकलों के भी समाप्त होने की संभावना है। कोहली और

रोहित ने टेस्ट और टी20 से पहले ही नाम वापस ले लिया था। अब इनका लक्ष्य आईसीसी विश्वकप 2027 खेलना है हालांकि ये दोनो चैम्पियंस ट्रॉफी से ही खेल से दूर हैं, ऐसे में इनके लिए टीम में जगह बनाना आसान नहीं होगा। बोर्ड उपाध्यक्ष ने कहा कि रोहित और विराट दोनो ही फिट हैं और ऐसे में ये एकदिवसीय क्रिकेट खेलते रहेंगे। वहीं प्रशंसक इसलिए परेशान हैं क्योंकि विश्वकप से पहले भारत को कुछ ही एकदिवसीय खेलने हैं। ऐसे में इन दोनो के लिए ही फिटनेस बनाए रखना कठिन होगा। रोहित और विराट के बारे में कोई कुछ भी कहे पर यह अंदाजा हो गया है कि ये अब अधिक समय तक नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरा इनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय दौर हो सकता है। जिसको लेकर प्रशंसक निराश हैं। शुक्ला के बयान से हालांकि प्रशंसकों को कुछ उम्मीद बनी है। शुक्ला ने पूछा, 'इन दोनो ने अभी तक संन्यास नहीं लिया? इसलिए ये दोनो अभी भी एकदिवसीय खेलेंगे, ऐसे में विदाई की बात क्यों की जा रही है। साथ ही कहा कि बोर्ड अभी भी खिलाड़ियों को संन्यास के लिए नहीं कहता।' इस प्रकार के फैसले हम खिलाड़ियों पर ही छोड़ देते हैं।

ऐश्वर्य ने एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

शिमकेंट (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने रविवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। जूनियर पुरुष थ्रीपी स्पर्धा में एड्रियन कर्माकर ने फाइनल में 463.8 के एशियाई जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। तोमर ने 462.5 का स्कोर करके शीर्ष स्थान हासिल किया।

चीन के वेनयू झाओ ने 462 अंक के साथ रजत पदक जीता जबकि जापान के नाओया ओकाडा ने 445.8 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। तोमर ने इस स्पर्धा में अपना दबदबा बनाए रखा और प्रतियोगिता के अधिकांश हिस्से में बढ़त बनाए रखी। इस 24 साल के निशानेबाज ने नीलिंग पोजीशन में बेहतरीन प्रदर्शन किया लेकिन इसे प्रोन पोजीशन में दोहरा नहीं सके। उन्होंने हालांकि स्टैंडिंग दौर में अच्छा प्रदर्शन किया और 1.5 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ प्रतियोगिता के अंतिम चरण में प्रवेश करने के बाद विजेता बने।

इस स्पर्धा में अन्य भारतीय निशानेबाजों में चैन सिंह चौथे स्थान पर रहे, जबकि अखिल श्योराण फाइनल में पांचवें स्थान पर रहे। इससे पहले तोमर, चैन सिंह और श्योराण की भारतीय तिकड़ी ने 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। तोमर क्वालिफिकेशन में कुल 584 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे। तोमर का यह इसी स्पर्धा में दूसरा एशियाई खिताब था। उन्होंने 2023 में भी स्वर्ण पदक जीता था।

जकार्ता में 2024 सत्र में हालांकि उन्हें श्योराण से हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। अनुभवी चैन सिंह 582 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में पांचवें स्थान पर रहे, जबकि विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता श्योराण ने 581 अंकों के साथ सातवां क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया। चीन के भी तीनों निशानेबाजों ने क्वालीफाई किया, जबकि अन्य दो स्थान क्रमशः जापान और कोरिया को मिले।

भारत टीम स्वर्ण पदक से तीन अंक चूक गई। भारतीय तिकड़ी का कुल स्कोर 1747 था जो चीन के कुल स्कोर से तीन अंक कम था। इस बीच ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल क्वालीफिकेशन दौर में प्रिसिशन चरण के बाद चौथे स्थान पर है। ईशा सिंह दूसरे स्थान पर रहीं। मनु इस सप्ताह की शुरुआत में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीत चुकी है।

वेदांत वाघमारे जूनियर पुरुषों की 3पी स्पर्धा में 582 के स्कोर के साथ क्वालीफाइंग में दूसरे स्थान पर रहे, जबकि

एड्रियान 576 के स्कोर के साथ आठवां और आखिरी क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया। सामी उल्लाह खान (575), रोहित कान्यान (575), गौरव देसले (569) और हितेश श्रीनिवासन (564) जैसे निशानेबाज क्वालीफाई नहीं कर पाए। वेदांत, एड्रियान और रोहित की तिकड़ी ने कुल 1733 के संयुक्त स्कोर के साथ टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

जब रिंकू को मिला था शाहरुख के साथ चार्टर फ्लाइट में बैठने का अवसर

लखनऊ। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने खुलासा किया है कि उन्हें एक बार बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के हवाई यात्रा का अवसर मिला था। रिंकू का केकेआर के सह–मालिक शाहरुख ने इस यात्रा के लिए आमंत्रित किया था। तब वह पहली बार किसी चार्टर फ्लाइट में बैठे थे। रिंकू को तब टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी। वह स्टैंडबाय सूची में थे। ऐसे में रिंकू को वीजा की औपचारिकताओं के लिए अचानक मुंबई जाना था और तब शाहरुख के साथ उन्हें जाने का अवसर मिला था। रिंकू शुरु में जाने से झिझक रहे थे पर बाद में उन्होंने शाहरुख का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रिंकू ने कहा कि शाहरुख ने यात्रा के दौरान उनका बहुत हौसला भी बढ़ाया। रिंकू ने शाहरुख को लेकर कहा, वह बड़े दिल वाले इंसान हैं। वह हमेशा सभी से गले मिलते हैं। वह सबसे अच्छे से मिलते हैं, फिर चाहे सीनियर हो या जूनियर। मुझे लगता है कि यही बातें उन्हें एक अच्छा इंसान बनाती है। तब मेरा विश्वकप के लिए मुख्य दल में चयन नहीं हुआ था। मैं स्टैंडबाय में था। टीम चली गई थी थी। तभी मुझे वीजा के लिए जाना पड़ा। ऐसे में शाहरुख सहायता के लिए आगे आये।

यूएस ओपन 2025 में खिताब बचाने को तैयार जानिक सिनर

नई दिल्ली। यूएस ओपन 2025 में एक बार फिर सबकी निगाहें इटली के टेनिस स्टार और मौजूदा चैंपियन जानिक सिनर पर टिकी हुई हैं। पिछले साल खिताब जीतने वाले सिनर इस बार लगातार दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे। लगातार दो साल तक यूएस ओपन जीतना बेहद मुश्किल काम माना जाता है, लेकिन सिनर इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बीमारी के कारण सिनसिनाटी ओपन का फाइनल बीच में छोड़ने वाले सिनर अब पूरी तरह से तैयार नजर आ रहे हैं और टूर्नामेंट के लिए न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं। उन्होंने अपनी वापसी को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि यह सीजन का आखिरी ग्रैंड स्लैम है और यहां खेलना हमेशा खास होता है। उन्होंने बताया कि शारीरिक रूप से अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और लगभग पूरी तरह फिट हैं। उनका लक्ष्य टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले अपनी फिटनेस को उच्च स्तर तक ले जाना है। सिनर से जब पूछा गया कि आखिर यूएस ओपन में खिताब बचाना इतना मुश्किल क्यों है, तो उन्होंने कहा कि यहां दिन और रात के मैचों का बड़ा फर्क पड़ता है। छोटी–छोटी बातें भी खेल के नतीजे को बदल देती हैं और यही कारण है कि यह टूर्नामेंट बेहद कठिन माना जाता है। इतिहास गवाह है कि केवल स्विट्ज़रलैंड के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर ही ऐसे रहे हैं जिन्होंने लगातार पांच बार यानी 2004 से 2008 तक यूएस ओपन का खिताब जीता। इस बार भी सभी की नजरें इस बात पर टिकी होंगी कि सिनर इस चुनौती को कैसे पार करते हैं। मौजूदा दौर में टेनिस की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता जानिक सिनर और स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज के बीच देखने को मिल रही है। पिछले सात ग्रैंड स्लैम खिताब इन दोनों खिलाड़ियों ने आपस में बांटे हैं। ऐसे में इस साल भी यूएस ओपन का फाइनल इन्हीं दोनों के बीच होने की संभावना जताई जा रही है। सिनर ने अल्काराज के साथ अपनी प्रतिस्पर्धा पर कहा कि यह खेल और खिलाड़ियों दोनों के लिए अच्छी है। कभी–कभी अभ्यास के दौरान जब थकान महसूस होती है तो आप अपने प्रतिद्वंद्वी से प्रेरणा लेते हैं और यह चीज असली मैच में काम आती है। उन्होंने यह भी माना कि इस समय बड़ी ट्रॉफियां वही और कार्लोस साझा कर रहे हैं लेकिन भविष्य में हालात बदल सकते हैं क्योंकि टेनिस में कई शानदार खिलाड़ी मौजूद हैं। सिनर का कहना है कि फाइनल तक पहुंचना हमेशा मुश्किल होता है और इसलिए खिलाड़ियों को लगातार सुधार करना पड़ता है। उनका मानना है कि अब बाकी खिलाड़ी उन्हें और अल्काराज को अच्छी तरह समझने लगे हैं और इसलिए चुनौती और बड़ी हो गई है। हालांकि सिनर आत्मविश्वास से भरे हैं और खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं।

मीराबाई की वापसी, भारतीय भारोत्तोलकों की नजरें राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पदक जुटाने पर

अहमदाबाद (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एक साल के अंतराल के बाद सोमवार को प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में वापसी करेंगी और राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में घरेलू चुनौती की अगुवाई करेंगी जिसमें भारतीय भारोत्तोलकों से पदकों की झड़ी लगाने की उम्मीद है।

हाल के वर्षों में चोटों से जूझती रहीं चानू पिछली बार पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक में खेली थीं जिसमें वह एक किलोग्राम से पोडियम स्थान से चूक गई थीं। इकतीस वर्षीय मीराबाई ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया है। वह इस 48 किग्रा भार वर्ग में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब और दो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक जीत चुकी हैं लेकिन 2018 के बाद से इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं की है।

वजन को नियंत्रित करना एक चुनौती होगी और चानू ने खुद इसे स्वीकार किया है। लेकिन इस दृढ़ निश्चयी मणिपुरी खिलाड़ी ने यह चुनौती स्वीकार कर ली है। मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा के साथ मिलकर काम करते हुए वह अपनी तकनीक को भी निखार रही हैं ताकि स्नैच में 90 किलोग्राम का वजन उठा सकें। अक्टूबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचने की तैयारी में जुटी चानू ने कहा कि वह राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पूरी ताकत नहीं झोंकेंगी जो अगले साल ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों में से एक है।

उन्होंने कहा, 'मैं अहमदाबाद में पूरी ताकत नहीं लगा रही हूं क्योंकि मैं विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हूं। मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य एशियाई खेल हैं जहां मेरा लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना और पदक जीतना है क्योंकि मैंने अभी तक वहां कोई रिकॉर्ड नहीं

बनाया है।' चानू भले ही मुख्य आकर्षण बनी हुई हैं लेकिन भारत के दल के लगभग हर भार वर्ग में पोडियम पर पहुंचने की उम्मीद है।

राष्ट्रमंडल प्रतियोगिताएं (राष्ट्रमंडल खेल और राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप) लंबे समय से भारतीय भारोत्तोलकों के लिए एक शानदार जगह रही हैं जिन्हें चीन और उत्तर कोरिया जैसे दिग्गजों की अनुपस्थिति का फायदा मिलता है। जब भारत ने पिछली बार 2023 में चैंपियनशिप की मेजबानी की थी तो घरेलू टीम ने 20 पदकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया था। इस बार भी रजत विजेता बिंदियारानी देवी और कांस्य पदक विजेता हरजिंदर कौर और लवप्रीत सिंह सहित कई राष्ट्रमंडल पदक विजेता भारत की पदक तालिका में इजाफा करना चाहेंगे।

भारतीय टीम

महिला : मीराबाई चानू (48 किग्रा), स्नेहा सोरेन (53 किग्रा), बिंद्यारानी देवी (58 किग्रा), सेराम निरुपमा देवी (63 किग्रा), हरजिंदर कौर (69 किग्रा), हरमनप्रीत कौर (77 किग्रा), वंशिता वर्मा (86 किग्रा~), महक शर्मा (+86 किग्रा) पुरुष~ चनंबम ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा); एम राजा (65 किग्रा); नारायण अजित (71 किग्रा), वल्लूरी अजय बाबू (79 किग्रा), अजय सिंह (88 किग्रा), दिलबाग सिंह (94 किग्रा), हरचरण सिंह (110 किग्रा), लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा)।

टीम चयन में मेरी भूमिका नहीं रही : पीसीब अध्यक्ष

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को एशिया कप के लिए टीम में शामिल नहीं किये जाने का फैसला चयनसमिति का था और इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं रही है। नकवी ने ये बात टीम चयन को लेकर उठे विवाद को लेकर कही है। कई लोगों ने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर रखे जाने पर सवाल उठाये थे। इसल को लेकर पीबीबी प्रमुख का बयान आया है। नकवी ने इस मामले की जिम्मेदारी चयनसमिति पर डाल दी है। नकवी ने कहा, 卐सबसे पहले मेरी खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने या बाहर करने में मेरी एक फीसदी भूमिका नहीं है। हमारे पास एक चयन समिति और फिर एक सलाहकार इकाई है। वे सभी मिलकर टीम तय करते हैं। चयन की यह प्रक्रिया काफी चीजों से होकर गुजरती है। किसी भी बड़े टूर्नामेंट के लिए टीम चुने जाने से पहले 8 से 10 घंटे की चर्चा होती है. कभी–कभी तो 2–3 दिनों तक भी ये चलता है।

बकैती में मां बन छाईं शीबा चड्ढा, बोलीं- चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने का इंतजार है

अभिनेत्री शीबा चड्ढा इन दिनों वेब सीरीज बकैती में सुषमा कटारिया के किरदार को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि उन्होंने अब तक के करियर में कई यादगार किरदार किए हैं, लेकिन अब वह ऐसे रोल करना चाहती हैं जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर और चुनौती दे। सीरीज में शीबा का किरदार मां का है, जो पूरे परिवार को एकजुट रखती है। उनके अभिनय में हमेशा की तरह एक गहराई है, जो बिना ज्यादा दिखावे के अपना असर छोड़ जाती है। हालांकि शीबा को मां जैसे किरदारों में काफी सराहना भी मिली है, लेकिन वो अब कुछ नया और चुनौतीपूर्ण करना चाहती हैं। उनका कहना है, मैं बहुत खुश हूं कि मुझे अच्छे सेट्स और अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिलता है, मेरे लिए ये एक आशीर्वाद की तरह है। लेकिन, मैं चाहती हूं कि अब मुझे अलग तरह की कहानियां और किरदार निभाने का मौका मिले, जो सिर्फ मां के किरदार तक सीमित नहीं हो, बल्कि और भी कुछ अलग और दमदार हो।
सीरीज की बात करें, तो इसमें जब नैना (तन्या शर्मा) को मजबूरी में अपने शरारती भाई भरत (आदित्य शुक्ला) के साथ कमरा शेयर करना पड़ता है, तो चीजें और उलझ जाती हैं। लेकिन, जब हालात एक बड़ा मोड़ लेते हैं और परिवार की शांति खतरे में पड़ जाती है, तब शीबा का किरदार भावनात्मक सहारा बनकर सामने आता है। इस सीरीज में अभिनेत्री कटारिया परिवार की मां की भूमिका निभा रही हैं। यह सीरीज पुराने गाजियाबाद की गलियों में बसे एक मिडिल क्लास परिवार की कहानी है, जिसमें दर्शकों को रोजमर्रा की छोटी-बड़ी परेशानियां, भाई-बहनों की नोकझोंक और प्यार भरे लम्हों को बेहद सच्चाई से दिखाया गया है। अमीत गुप्ता के निर्देशन में बनी इस सीरीज में राजेश तैलंग, तान्या शर्मा, और आदित्य शुक्ला मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा, इसमें केशव साधना, रमेश राय, पूनम जांगड़ा, शाश्वत चतुर्वेदी, और परविंदर जीत सिंह जैसे कलाकार भी सहायक भूमिकाओं में हैं।

जानती हूं ईमानदारी की कीमत चुकानी पड़ती है

श्रुति हासन इन दिनों कुली को लेकर चर्चा में हैं। रजनीकांत स्टारर में वह प्रीति राजशेखर के किरदार में हैं। एक्ट्रेस और म्यूजिशियन श्रुति उन कलाकारों में हैं, जिनकी खूबसूरती के सब मुरीद हैं। साउथ की फिल्मों में उनका खूब दबदबा है, हालांकि, बॉलीवुड में उनका करियर बहुत ऊंचाइयां नहीं छू सका। जब बात श्रुति की सुंदरता की आती है तो चर्चा प्लास्टिक सर्जरी की भी होने लगती है। वह ऐसी अदाकारा हैं, जिन्होंने खुलकर यह स्वीकार किया है कि उन्होंने अपने रूप को निखारने के लिए सर्जरी की सहायता ली है। अब एक नए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने इस पर खुलकर बात की है। यह भी कहा है कि कैसे सोशल मीडिया पर लोग उन्हें प्लास्टिक सर्जरी की दुकान कहते हैं। बातचीत में श्रुति ने कहा, जब मैंने अपनी बात रखी, तो मुझे कई तरह के ताने मिले। ये भी सुनने को मिला कि ओह, ये तो प्लास्टिक सर्जरी की दुकान है, लेकिन मुझे पता है कि मैंने क्या है और कितना किया है। मुझे यह भी पता है कि दूसरों ने कितना करवाया है। मुझे लगता है कि ईमानदारी की यही कीमत चुकानी पड़ती है। ठीक है। मैं इसका कभी प्रचार भी नहीं करती। लेकिन यह मेरी पसंद है।

असलियत बताने पर हमेशा उठती हैं उंगलियां

कमल हासन की बेटी श्रुति हासन ने इस बात पर जोर दिया प्लास्टिक सर्जरी का उनका फैसला बेहद निजी है और यह दूसरों को प्रभावित करने के लिए बिल्कुल नहीं हैं। वह आगे कहती हैं, मैं अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती हूं, बाहरी फैसलों और बातें मुझे प्रभावित नहीं करतीं। प्यार में, जिंदगी में, काम में, सच बोलने या किसी बात की असलियत बताने पर हमेशा आप पर उंगलियां उठेंगी।

साउथ के सितारे बॉलीवुड वालों से अधिक विनम

इसी इंटरव्यू में श्रुति ने बॉलीवुड और साउथ सिनेमा के सितारों की तुलना भी की। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें ऐसा लगता है कि साउथ के सितारे अधिक विनम्र होते हैं। रमैया वस्तावैया, लक और बहन होगी तेरी जैसी हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी श्रुति ने कहा, मेरे हिसाब से यह साउथ इंडियन चीज है। यहां बड़े-बड़े सितारे विनम्रता को लेकर बहुत सचेत रहते हैं। उन्हें लगता है कि यदि वह ऐसा नहीं करेंगे तो सरस्वती का आशीर्वाद उनके सिर से उठ जाएगा। यही कारण है कि सेट पर और निजी जीवन में भी ये सितारे सादगी पसंद करते हैं। चमक-दमक से दूर रहते हैं।

महिला किरदारों में आए बदलाव पर बोलीं प्रिया बापट

एक समय था जब फिल्मों में महिला किरदारों को सीमित दायरे में दिखाया जाता था, किसी की पत्नी, मां या प्रेमिका के किरदारों में। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। फिल्मों के साथ-साथ अब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स भी महिला कलाकारों को दमदार भूमिकाओं में दिखा रहे हैं। साथ ही उन्हें अपने अभिनय का असली हुनर दिखाने का मंच भी दे रहे हैं। इसी बदलाव की एक शानदार मिसाल हैं अभिनेत्री प्रिया बापट, जो अपने नए शो अंधेरा के जरिए एक बार फिर चर्चा में हैं। प्रिया का मानना है कि ओटीटी पर उन्हें वह आजादी और चुनौती मिली है, जिसकी एक कलाकार को हमेशा तलाश होती है। महिला किरदारों में आए बदलाव को लेकर भी उन्होंने अपनी राय रखी और कहा कि अब पर्दे पर सिर्फ ग्लैमर नहीं होता, महिला किरदारों में गहराई भी होती है। प्रिया ने कहा, ओटीटी एक ऐसी जगह है जहां आपको किरदार की गहराई को समझने और निभाने का पूरा मौका दिया जाता है। अंधेरा एक साइकोलॉजिकल-हॉरर थ्रिलर है, जिसमें प्रिया एक पुलिस अधिकारी इंस्पेक्टर कल्पना कदम की भूमिका में नजर आ रही हैं। ओटीटी को लेकर प्रिया का कहना है, ओटीटी पर महिलाओं के लिए अच्छे और मजबूत किरदार लिखे जा रहे हैं। अब सिर्फ ग्लैमर नहीं, किरदारों में गहराई भी होती है। अब महिलाओं को केंद्र में रखकर कहानियां बनाई जा रही हैं। यह एक ऐसा मंच है, जहां कलाकारों को कुछ नया करने की आजादी मिलती है और दर्शकों के सामने अलग-अलग कहानियों के विकल्प भी होते हैं।

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का हिस्सा होंगे बॉबी देओल

बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान नेटफ्लिक्स की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं। हालांकि, वे एक्टर नहीं बल्कि एक निर्देशक के रूप में इस सीरीज से डेब्यू करने जा रहे हैं। किंग खान के फैंस इसका इंतजार काफी दिनों से कर रहे थे। इस सीरीज में फेमस बॉलीवुड स्टार बॉबी देओल भी हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद एक पोस्ट शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर दी है। इसे शेयर करते हुए बॉबी देओल ने लिखा, परदा गिरने का इंतजार कर रहे हो? ये शो परदा फाड़कर आ रहा है। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख के बेटे आर्यन खान ने इस सीरीज को लिखा है। इस शो में फिल्म इंडस्ट्री की चमक-दमक, ग्लैमर और गपशप को लोगों के सामने पेश किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इसमें शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान, रणबीर कपूर, रणवीर सिंह, करण जौहर और कई अन्य कलाकारों के भी कैमियो होंगे।

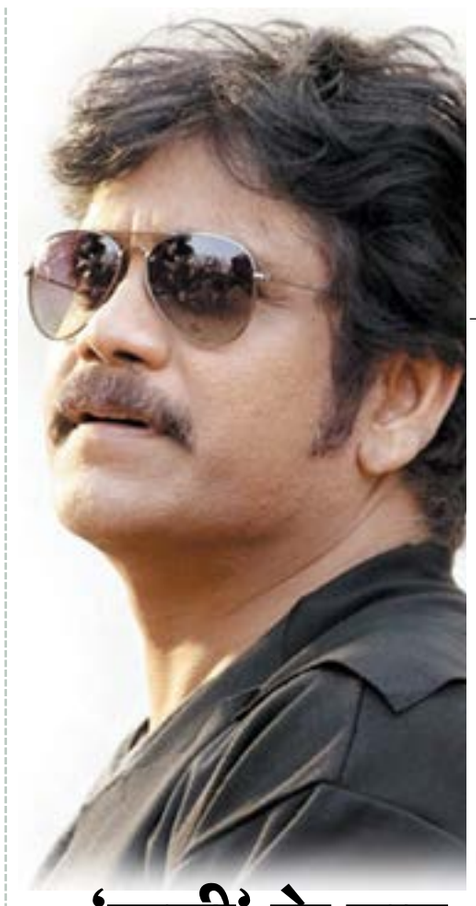

'कुली' के बाद नागार्जुन ने किया अपनी 100वीं फिल्म का एलान

रजनीकांत की हालिया रिलीज फिल्म 'कुली' में सुपरस्टार नागार्जुन साइमन के किरदार में नजर आए हैं। फिल्म में अपने नेगेटिव किरदार को लेकर नागार्जुन को काफी तारीफें मिली हैं और लोगों को उनका कैरेक्टर काफी पसंद भी आया है। अब 'कुली' के सिनेमाघरों में रिलीज होते ही नागार्जुन ने अपनी अगली फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी साझा की है। ये उनकी 100वीं फिल्म भी होगी। जिसके बाद फैंस उन्हें नई भूमिका में देखने के लिए उत्साहित हो गए हैं।

तमिल निर्देशक कार्तिक करेंगे 100वीं फिल्म का निर्देशन

जगपति बाबू के होस्टिंग वाले जी5 के चैट शो जयम्मु निश्चयमु रा में बातचीत के दौरान नागार्जुन ने अपनी 100वीं फिल्म की घोषणा की और इसको लेकर जानकारी साझा की है। नागार्जुन ने बताया कि उनकी 100वीं फिल्म तमिल निर्देशक कार्तिक द्वारा निर्देशित होगी, जिसका टाइटल फिलहाल अभी के लिए किंग 100 है। बातचीत के दौरान नागार्जुन ने बताया कि मेरी अगली रिलीज किंग 100 होगी। इसकी तैयारी पिछले 6-7 महीनों से चल रही है। तमिल निर्देशक कार्तिक ने मुझे एक साल पहले इसकी स्क्रिप्ट सुनाई थी। यह एक शानदार फिल्म है और हम कुली के बाद अब इसकी शूटिंग शुरू करेंगे। यह एक एक्शन से भरपूर फैमिली ड्रामा फिल्म है। नागार्जुन 'कुली' में एक विलेन के किरदार में हैं। जबकि इससे पिछले फिल्म 'कुबेर' में भी वो पहले विलेन के साथी होते हैं। हालांकि, बाद में उनका कैरेक्टर सुधर जाता है। अब अपनी 100वीं फिल्म को नागार्जुन ने कहा कि इस बार मैं फिल्म में हीरो हूं। वहीं अगर निर्देशक कार्तिक की बात करें तो वो इससे पहले अशोक सेलवन स्टारर निथम ओरु वनम का निर्देशन भी कर चुके हैं।

'कुली' में पसंद किया गया नागार्जुन का रोल

नागार्जुन की आखिरी रिलीज फिल्म 'कुली' है, जिसमें वो रजनीकांत, सौबेन शाहिर, उपेंद्र कुमार, आमिर खान और श्रुति हासन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। इस फिल्म में साइमन के नेगेटिव रोल में नजर आए नागार्जुन की स्टाइल और स्वैग को काफी पसंद किया गया है। हालांकि, 14 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म को क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है।

हां, मैं एजेंडा वाली फिल्में बनाता हूं...

फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकरफिल्म डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री इन दिनों फिर विवाद में हैं। इस मूवी का ट्रेलर आया तो बवाल मच गया। लॉन्च इवेंट के दिन ही कोलकाता के होटल में कुछ लोगों ने हंगामा किया। हाल ही में इस विवाद पर खुलकर बात की

बीते दिनों कोलकाता में प्रशासन ने द बंगाल फाइल्स के ट्रेलर लॉन्च पर रोक लगा दी। यह फिल्म साल 1946 में हुए कोलकाता दंगों पर आधारित है। फिल्म डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री के मुताबिक, उन्हें स्थानीय प्रशासन की ओर से यह भी नहीं बताया गया कि आखिर वह ट्रेलर लॉन्च क्यों रोक रहे हैं जबकि ट्रेलर को सेंसर बोर्ड की हरी झंडी मिली हुई है।

मैं एक फिल्ममेकर हूं, देश का प्रधानमंत्री नहीं हूं

अपनी टीम के साथ दिल्ली आए विवेक अग्निहोत्री से जब पूछा गया कि वह द कश्मीर फाइल्स, द बंगाल फाइल्स बना चुके हैं। तो क्या वह आने वाले दिनों में गुजरात, मुजफ्फरनगर और मेरठ दंगों पर भी फिल्म बनाएंगे? इस सवाल के जवाब में विवेक ने तल्ख अंदाज में कहा, मैं उनका शुक्रगुजार हूं जो मुझसे ये उम्मीद करते हैं कि मैं इन पर भी फिल्में बनाऊं। मैं एक फिल्ममेकर हूं, देश का प्रधानमंत्री नहीं हूं। मैं इसका शुक्रगुजार हूं कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री में 200 से 300 फिल्म डायरेक्टर्स हैं और आपने सोचा कि मैं ही इतना काबिल हूं कि पूरे भारत में जो कुछ दंगे फसाद होते हैं, उन पर मैं फिल्में बना सकता हूं। हालांकि उन्होंने ये साफ नहीं किया कि वह इन विषयों पर फिल्म बनाएंगे या नहीं।

मैं हिंदू सिविलाइजेशन पर फिल्में बनाता हूं

क्या विवेक अग्निहोत्री एक खास मकसद से फिल्म बनाते हैं? डायरेक्टर ने कहा, जी हां, मेरा ये मकसद है और मैं ये खुलेआम कहता हूं कि मेरा एक एजेंडा है और मैंने ये बात कभी छुपाई भी नहीं है। मैं बतौर फिल्ममेकर भारत की वह कहानियां, जिनमें सच को दबाया गया, जैसे लोगों को ताशकंद फाइल्स या कश्मीर फाइल्स में हमने बताया। हमने दोनों ही फिल्म में क्या सही है, क्या गलत है, ये नहीं कहा। लेकिन मेरा मकसद साफ है कि मैं हिंदू सिविलाइजेशन पर फिल्में बनाता हूं, इसलिए हिंदुओं का जो इतिहास है, मैं उसपर फिल्म बनाता हूं। मैं खुद को इस काबिल नहीं समझता हूं कि इस्लामिक या क्रिश्चियन इतिहास पर फिल्म बनाऊं।

कला का काम है सकारात्मकता दिखाए

जब उनसे पूछा गया कि आपने द कश्मीर फाइल्स बनाई और अब द बंगाल फाइल्स। क्या आपको लगता है कि ये नैरेटिव वॉर का हिस्सा है और आर्ट के जरिए लोगों की सोच को बदला जा रहा है। तो उन्होंने कहा, कला का काम होता है कि जो हमारा समाज, राजनीति और संस्कृति है, उसको दर्शाए और एक सकारात्मकता दिखाए जो आमतौर पर कोई दिखा नहीं सकता है। आज हम जो दिखा रहे हैं, उसके बारे कितने ही लोगों को पता है। मैं कोलकाता में था, तो मैंने वहां लोगों से पूछा कि जो भारत का विभाजन हुआ, उसकी रणभूमि कौन सी थी, लोग कहते हैं पंजाब क्योंकि उन्होंने गदर फिल्म में देखा था। मगर हमारी फिल्म के बाद लोग डायरेक्ट एक्शन के बारे में बात कर रहे हैं।

डोरी के राजा गणेश पहुंचे पंडाल में: 27 अगस्त गणेश चतुर्थी से भक्तों को मिलेगा दर्शन

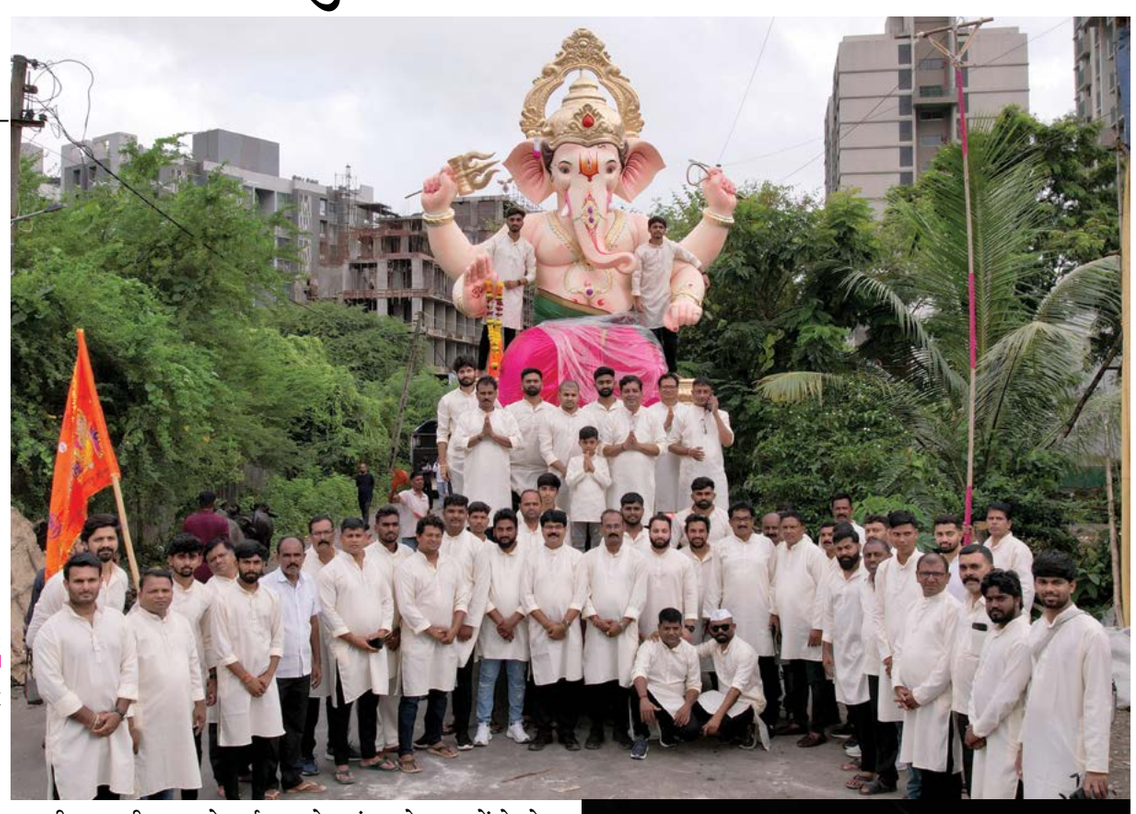

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 अगस्त। 27 अगस्त गणेश चतुर्थी से गणेश उत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। विभिन्न गणेश मंडलों द्वारा गणपति बप्पा का भव्य स्वागत करने के लिए अभी से पंडाल सजाये जा रहे है। कई गणेश मंडलों द्वारा बप्पा को गणेश पंडाल में बिराजमान किया जा रहा है। इसी क्रम में दमण जिले के डोरी कडैया गांव में भी श्रीजी युवक मंडल द्वारा भव्य पंडाल सजाया गया है। श्रीजी गणेश मंडल के युवाओं ने ढोल नगाडे के साथ गणपति बप्पा का स्वागत करते हुए पंडाल में बिराजमान कर दिया है। डोरी गांव में मुख्य मार्ग के पास ही बप्पा की स्थापना पिछले कई वर्षों से की जाती है। इस वर्ष भी डोरी के राजा गणेश पंडाल में पहुंच चुके है। 27 अगस्त गणेश चतुर्थी को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ बप्पा की स्थापना की जायेगी और भक्तों को श्रीजी का दर्शन भी मिलना शुरू हो जायेगा।

दमण जैन संघ द्वारा मनाया जा रहा है पर्युषण पर्व

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 अगस्त। दमण के जैन संघ द्वारा पर्युषण पर्व भक्तिभाव एवं उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। आठ दिवसीय इस पावन पर्व के पांचवें दिन बडी संख्या में श्रावकों एकत्र होकर कल्पसूत्र वाचन सुनने उपस्थित रहे। कल्पसूत्र वाचन के दौरान भगवान महावीर स्वामी के जन्म प्रसंग का वर्णन किया गया। जिससे सुनकर उपस्थित सभी लोग भक्तिभाव से झुम उठे। साथ ही 14 स्वप्नों की बोली भी लगाई गई, जो जैन परंपरा में विशेष महत्व रखती है। इस कार्यक्रम में धार्मिक उत्साह, सामूहिक प्रार्थना एवं भक्तिभाव का अनोखा समन्वय देखने को मिला। दमण जैन संघ द्वारा दैनिक धार्मिक प्रवचन, विधि-विधान एवं दया-अहिंसा के कार्यों के साथ पर्युषण पर्व मनाया जा रहा है।

दमण ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र पर रक्तदान अभियान का हुआ शुभारंभ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 अगस्त। विश्व बंधुत्व दिवस के अवसर पर राजयोगी दादी प्रकाशमणि के 18 पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में विशाल रक्तदान अभियान का 24 अगस्त 2025 को डिवाइन लाइट, ब्रह्माकुमारीज दमण सेवा केंद्र पर उद्घाटन किया गया। 22 अगस्त से 25 अगस्त तक भारत एवं नेपाल सहित अनेक सेवा केंद्रों पर रक्तदान अभियान चल रहा है। आज सुबह दमण सेवा केंद्र पर इस अभियान का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया, पद्मश्री डॉ. एस. एस. वैश्य, सिंपल काटेला, लायंस क्लब की प्रमुख ज्योतिबेन, पैथोलॉजी डॉ. हेमिंगभाई, डॉ. नलिनभाई और ब्रह्माकुमारी कांता दीदी ने रक्तदान अभियान का उद्घाटन किया। इस मौके पर दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, दमण शहर मंडल भाजपा अध्यक्ष पियूष पटेल, काउंसिलर चंद्रगिरी टंडेल भी उपस्थित रहे। रक्तदान के महत्व को बताते हुए कांता दीदी ने सभी को इस पुण्य कार्य के लिए प्रेरणादायी शब्द कहे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ने ब्रह्माकुमारीज के अनेक सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अपनी शुभेच्छायें दी। पद्मश्री डॉ. एस. एस. वैश्य ने सभी युवाओं से रक्तदान करने की अपील की। डॉ. नलिनभाई ने इस अभियान का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए सभी को वाह जिंदगी वाह का उद्घोष कराया। सुबह से ही रक्तदाताओं की कतार लगना शुरू हो गई थी। शांति और उमंग से सभी ने ईश्वर स्थान पर रक्तदान किया। दमण गवर्नमेंट हॉस्पिटल ब्लड बैंक से पूरी टीम की सहयोग से रक्तदान हुआ। शाम 5 बजे तक रक्तदान शिविर चला। परमात्मा की कृपा से निर्विघ्न रूप से रक्तदान कार्यक्रम सम्पूर्ण सफल रहा।

विश्व बंधुत्व दिवस और राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर दीव ब्रह्माकुमारी संस्था ने रक्तदान अभियान का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 24 अगस्त। राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की पुण्यतिथि और विश्व बंधुत्व दिवस पर ब्रह्माकुमारी संस्था ने भारत और नेपाल भर में एक ऐतिहासिक रक्तदान महाअभियान का आयोजन किया है। इस अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ 17 अगस्त को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा द्वारा किया गया। इसी कडी में दीव ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा समाज सेवा प्रभाग और इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से विशाल रक्तदान अभियान का आयोजन किया गया। इस रक्तदान अभियान के प्रारंभ में दीव ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य संचालिका गीता दीदी की उपस्थिति में पद्मश्री प्रेमजीत बारिया, दीव के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एस. साहु, चिकित्सा अधिकारी डॉ. शफी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्षा हेमलता सोलंकी और दमण-दीव के पूर्व खेल अधिकारी मनीष स्मार्ट ने दीप प्रज्वलित किया। उपस्थित सभी आमंत्रित अतिथियों का ब्रह्माकुमारी गीता दीदी ने शाब्दिक एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके किया। तत्पश्चात आमंत्रित अतिथियों ने अपने उद्बोधन में रक्तदान के महत्व के महत्व को समझाते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज का यह अभियान केवल रक्तदान ही नहीं, बल्कि जीवनदान और मानवता की सबसे बड़ी सेवा का संदेश लेकर आया है। इसी भावना के साथ देश के लाखों लोग इस महाअभियान को सफल बना रहे हैं।

ब्रह्माकुमारीज सेंटर सिलवासा पर रक्तदान अभियान कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 24 अगस्त। दादरा नगर हवेली की प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय स्नेह सागर सिलवासा, लायंस क्लब एवं यूथ वेलफेयर ट्रस्ट के सहयोग से विश्व बंधुत्व दिवस के अंतर्गत राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान अभियान के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन सुंदरवन सोसायटी सिलवासा में किया गया। ब्रह्माकुमारीज संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि 25 अगस्त 2025 जिसे विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया जाता है के उपलक्ष्य में संस्था द्वारा भारत एवं नेपाल में एक विशाल रक्तदान महाअभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य रक्त की आवश्यकता की पूर्ति करना एवं गिनीज बुक रिकॉर्ड बनाना है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की सीनियर राजयोगिनी बहन ने रक्तदान शिविर के लिए अपने विचार देते हुए मुख्य अतिथि के स्वागत अभिवादन आरंभ हुए। मुख्य अतिथि डॉ. भगवान शाह एवं अन्य उपस्थित गणमान्य तथा विशेष अतिथि नवलकुमार रव जीवराज टाउन प्लानर, प्लानिंग अथॉरिटी का वक्फ सुरक्षा बंधन द्वारा गुलदस्ते से स्वागत किया गया। इसके बाद दीप प्रज्वलन करने का कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में सिलवासा लायंस क्लब से पिंकी खेमानी भी उपस्थित रहीं, जो उमरगांव से सूरत विस्तार की ब्लड डोनेशन को-ऑर्डिनेटर हैं। डॉ. भगवान शाह प्रारंभ अपने संबोधन में कृतज्ञता भाव व्यक्त करते हुए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा एक बहुत पुण्य का कार्य बताया है। जिसने न केवल जीवन बचाने में बहुत बड़ी मदद मिलती है बल्कि लोगों को जीवन जीने की शुभकामनाएँ भी दी। इसके साथ ही नवलकुमार रव जीवराज टाउन प्लानर ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी जनों को शुभकामनाएँ दी। ब्रह्माकुमारीज अधिकारी और मीडिया से रिपोर्टर ब्रह्माकुमारीज सिलवासा केंद्र द्वारा विशेष संगोष्ठी की गई। ब्रह्माकुमारीज द्वारा विशाल रक्तदान अभियान अंतर्गत भारत एवं नेपाल के हजारों सेवाकेंद्रों पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रकार संस्था के रक्तदान अभियान के माध्यम से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाई जाएगी। पिछले दो दिनों से इस अभियान के अंतर्गत 50000 यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित किया गया। इस अभियान के तहत 1 लाख यूनिट रक्त एकत्रित करना है। दादरा नगर हवेली के सिलवासा सेवाकेंद्र के शिविर में 30 रक्तदाता शामिल हुए।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)